वर्ष-24 अंकः 164
हैदराबाद, मूल्यः 5/-
कुल मुद्रित पृष्ठ : 08
बुधवार, 19 अगस्त 2026

PUBLISHED FROM
TELANGANA STATE,
AND TAMIL NADU

हिंदी दैनिक समाचार पत्र
PRGI NO: TELHIN/2000/04452

आकाश ज्योति

सच की रोशनी, हर घर तक!
AKASH JYOTI – HINDI DAILY NEWSPAPER

झारखंड के छात्रों का आंदोलन सफल

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द, 2014 से अब तक की भर्ती की भी जांच

एजेंसी

रांची। झारखंड में 24 दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने आंदोलनकारियों की सबसे बड़ी मांग मानते हुए वर्ष 2024 में आयोजित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया है। इसके अलावा टीडीपीएल नामक एजेंसी द्वारा राज्य में कराई गई सभी प्रतियोगिता परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की विशेष बैठक में करीब साढ़े चार घंटे की चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 14वीं जेपीएससी पीटी और बैकलॉग सिविल सर्विस परीक्षा रद्द करने का निर्णय पूर्व में ही आंदोलित छात्रों के साथ वार्ता के दौरान लिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि

सरकार ने अब वर्ष 2014 से लेकर वर्तमान समय तक जेपीएससी और जेएसएससी की ओर से आयोजित भर्ती परीक्षाओं की व्यापक जांच कराने का फैसला किया है।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने खत्म की भूख हड़ताल, हबीबा बोलीं- हेमंत हैं, तो हिम्मत है

रांची। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और टीडीपीएल एजेंसी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा के बाद झारखंड सरकार के मंत्री दीपिका पांडे सिंह और इरफान अंसारी देर रात को रांची सदर अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने 16 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री दीपिका पांडे और हमारे विधायक जयराम महतो की संयुक्त पहल से हमने अपनी भूख हड़ताल खत्म का फैसला किया। जिन मांगों के लिए हम संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे, वे सभी पूरी हो गई हैं।' प्रदर्शनकारी हबीबा ने सरकार की सराहना करते हुए कहा, 'हमारी सरकार ने साबित कर दिया है कि यह आदिवासियों, मूलवासियों और सदनों की सरकार है और यह उनके हितों के बारे में सोचती है। आज हमें यह एहसास हुआ है।

जेएसएससी-सीजीएल रद्द होते ही मचा बवाल

नौकरी पा चुके अभ्यर्थी धरने पर, बोले- हमारा क्या दोष?

एजेंसी

रांची। झारखंड सरकार की ओर से जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द किए जाने के बाद विवाद और गहरा गया है। परीक्षा के जरिए नियुक्त होकर अपने-अपने पदों पर सेवा दे रहे अभ्यर्थियों ने सरकार के फैसले के खिलाफ रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में धरना शुरू कर दिया है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करने और न्याय की मांग कर रहे हैं। झारखंड सरकार के झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा रद्द करने के फैसले के बाद परीक्षा पास कर नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों के एक वर्ग में नाराजगी सामने आई है। उनका कहना है कि उन्होंने चयन प्रक्रिया के तहत परीक्षा पास की और नियुक्ति के बाद अपने पदों पर काम कर रहे हैं। ऐसे में पूरी परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले से उनके भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है। प्रोजेक्ट भवन में प्रदर्शन कर रहे एक अभ्यर्थी ने से कहा, 'हमने निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए परीक्षा पास की और नियुक्त हुए हैं, फिर हमारे साथ ऐसा कदम क्यों उठाया जा रहा है? हम तो कथित अनियमितताओं की जांच की मांग कर रहे थे। अगर जांच में कोई गलती सामने आती है, तो उसमें शामिल संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाए। '

छात्र नेता देवेंद्र महतो का ऐलान- अभी बहुत लड़ाई बाकी है

एजेंसी

रांची। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और टीडीपीएल एजेंसी की ओर से आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा के बाद आंदोलनकारी छात्र नेताओं ने इसे अपने लंबे संघर्ष की महत्वपूर्ण सफलता बताया। इस मुद्दे पर 16 दिनों से अनशन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि यह खुशी का अंतिम पड़ाव नहीं है और शिक्षा एवं भर्ती व्यवस्था में व्यापक सुधार के लिए उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। 14 दिन से अनशन कर रही छात्रा हबीबा ने सरकार के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वह इस समय बेहद खुश हैं और लंबे संघर्ष के बाद ऐसा लग रहा है कि उनकी मेहनत सफल हुई है। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, 'आज मेरे पांव जमीन पर नहीं हैं।' देवेंद्र महतो ने कहा कि आंदोलनकारियों ने जिस गड़बड़ी और धांधली के खिलाफ संघर्ष शुरू किया था, सरकार ने उस पर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि जिस मकसद से छात्र अपनी जान जोखिम में डालकर आंदोलन कर रहे थे और अनशन पर बैठे थे, उनकी प्रमुख मांग पूरी हुई है। उन्होंने कहा, 'हमारे सिस्टम में जो गड़बड़ी और धांधली हुई थी, उस पर कार्रवाई हुई है। हमारी मांगों को पूरा किया गया है। लेकिन इसमें खुशी की बात नहीं है, क्योंकि अभी बहुत लड़ाई बाकी है।

भाजपा बोली- सीबीआई जांच के बिना सच नहीं आएगा सामने

एजेंसी

रांची। झारखंड में जेएसएससी–सीजीएल परीक्षा और टीडीपीएल के माध्यम से आयोजित परीक्षाओं को रद्द करने के सरकार के फैसले के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने इसे छात्र आंदोलन की बड़ी जीत बताते हुए मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग दोहराई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में पिछले 23 दिनों से आंदोलन कर रहे छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपने दृढ़ संकल्प, एकता और संघर्ष के दम पर सरकार को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। मरांडी ने कहा कि जेएसएससी–सीजीएल परीक्षा का रद्द होना छात्रों की बड़ी जीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो मुख्यमंत्री पहले छात्रों के आरोपों को खारिज कर रहे थे, अब वही उनकी मांग मानने को मजबूर हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सीबीआई जांच के आदेश नहीं दिए जाने से उसकी मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। मरांडी ने कहा कि जेएसएससी–सीजीएल में कथित नौकरी बिक्री के आरोपों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मित्र विनोद सिंह, जेएसएससी के तत्कालीन अधिकारियों नीरज सिन्हा, सुधीर गुप्ता, प्रशांत और मुख्यमंत्री आवास की कथित भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मनुष्य को सदैव आत्मसम्मान, साहस और स्वाभिमान के साथ जीवन जीना चाहिए: प्रधानमंत्री मोदी

> 'सच्चा पुरुषार्थ और पराक्रम इसी में है कि व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता न करे'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंगलवार को सुभाषित शेयर किया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक श्लोक, 'उद्यच्छेदेव न नमेदुद्यमो ह्येव पौरुषम्। अप्यपर्वणि भज्येत न नमत्वेव कस्यचित्॥ साझा किया है। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि मनुष्य को सदैव आत्मसम्मान, साहस और स्वाभिमान के साथ जीवन जीना चाहिए। सच्चा पुरुषार्थ और पराक्रम इसी में है कि व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता न करे, बल्कि सत्य, धैर्य और आत्मगौरव के साथ अपने आदर्शों पर दृढ़ रहे। बीते दिन प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए लिखा गया था, 'सामूहिक संकल्प और एकता की शक्ति से ही देश आगे बढ़ता है। यही भावना भारत की प्रगति और समृद्धि की मजबूत नींव है।' उन्होंने एक श्लोक, 'समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः। समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति॥ भी साझा

किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि हम सबके संकल्प एक समान होने चाहिए, हमारे मन एकता के भाव से जुड़े होने चाहिए, जिससे हम सभी परस्पर सहयोग तथा समान व्यवहार के साथ समाज की उन्नति के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया पर 14 अगस्त को सुभाषित शेयर किया गया था। तब उन्होंने लिखा था, 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर उन सभी देशवासियों का हृदय से नमन, जिन्होंने उस वीभत्स दौर से निकलकर देश की प्रगति में अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने अपने साहस और सामर्थ्य से दिखाया कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में भी संकल्पों को सिद्ध किया जाता है। आइए, सद्भावना और एकजुटता की राष्ट्रीय भावना को और सशक्त करें। '

पीएम ने एक श्लोक, 'उद्यमस्य प्रसादेन दृश्यन्ते विविधाः कलाः। कातरा एव जल्पन्ति यद् भाव्यं तद् भविष्यति॥ भी साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि परिश्रम, उद्यम और पुरुषार्थ से ही विविध कलाएं, विज्ञान, तकनीकी कौशल, शिल्प तथा नवाचार विकसित होते हैं और सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसलिए, मनुष्य को भाग्य के भरोसे नहीं बैठना चाहिए बल्कि साहस, कर्मठता और निरंतर प्रयास के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए क्योंकि पुरुषार्थ ही भाग्य का निर्माता है।

आंध्र प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती में नियमों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ: सीएम

'2019 से 2024 के बीच सत्ता में रहने वालों ने एक भी शिक्षक की भर्ती नहीं की'

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों की भर्ती के लिए 'मेगा डीएससी' में नियमों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारी पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई थी। उन्होंने विधानसभा में मेगा डीएससी भर्तियों पर बात करते हुए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर 'हिट-एंड-रन' की राजनीति के जरिए झूठा अभियान चलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच सत्ता में रहने वालों ने एक भी शिक्षक की भर्ती नहीं की, लेकिन शिक्षा क्षेत्र के बारे में बड़े-बड़े दावे किए। उन्होंने कहा कि अब तक हुई 14 डीएससी परीक्षाओं में से 11 परीक्षाएं टीडीपी और एनडीए सरकारों के दौरान आयोजित की गईं और

शिक्षकों की भर्ती की गई। इन भर्तियों में भ्रष्टाचार की एक भी शिकायत नहीं मिली है। सीएम ने कहा, 'पिछली सरकार ने पांच साल में एक भी शिक्षक की भर्ती नहीं की। पद संभालने के तुरंत बाद अपने पहले ही हस्ताक्षर से हमने मेगा डीएससी के जरिए 15,941 शिक्षकों के पद भरे। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की गई और नियुक्तियां सिर्फ 148 दिनों के भीतर कर दी गईं। ' उन्होंने बताया कि टीईटी और डीएससी नोटिफिकेशन के साथ-साथ हॉरिजॉन्टल और वर्टिकल रिजर्वेशन (क्षैतिज और लंबवत आरक्षण) प्रक्रियाओं को सख्ती से लागू किया गया। उन्होंने कहा, 'हमने 13 विषयों में 42,000 सवाल चुने और सबसे अच्छे उपलब्ध तरीके से परीक्षा आयोजित की। परीक्षा 154 केंद्रों पर कंप्यूटर-बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की गई और नतीजे भी पारदर्शी तरीके से जारी किए गए।

'राहुल ब्रिगेड का काम हंगामा करना'

रिजिजू ने कांग्रेस की विचारधारा पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में लगातार हंगामे और नारेबाजी को लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

'रहुल गांधी की ब्रिगेड का काम हंगामा करना'

उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसदों पर चर्चा से भागने, सदन में हंगामा करने और अपशब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर भी विपक्षी सांसदों को घेरने की कोशिश की। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, जब कोई व्यक्ति काम नहीं करने का पक्का मन बना लेता है, तो उसे मनाने की कितनी भी कोशिश कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ता। यह स्थिति कांग्रेस पार्टी की वजह से बनी है। हम बच्चों की बात नहीं कर रहे हैं कि उन्हें खींचकर ला सकें और जबरदस्ती बैठा सकें। हम ज्यादा से ज्यादा उनसे अनुरोध या विनती ही कर सकते हैं। हमने कांग्रेस पार्टी से बार-बार

संसद में आने और बहस करने के लिए कहा। लेकिन वे ऐसा करना ही नहीं चाहते थे। ऐसा लगता है कि अब कांग्रेस सांसद मानते हैं कि उनकी भूमिका सिर्फ हंगामा करना, चिल्लाना और अपशब्द कहना है। उन्होंने कहा, अगर कोई सांसद सिर्फ हंगामा करना चाहता है, तो उसके सांसद होने की जरूरत ही क्या है? वह सड़कों पर जाकर प्रदर्शन कर सकता है।

'दिमागी नक्सल' वाले विवाद पर क्या कहा?

पीएम मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान पर विवाद को लेकर रिजिजू ने कहा, एक तरह से कांग्रेस पार्टी खुद को माओवादी और नक्सली संगठन में बदल चुकी है। पहले (कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष) सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में ऐसी विचारधारा रखने वाले लोगों का दबदबा था। लेकिन अब पूरी कांग्रेस पार्टी ही माओवादी पार्टी में बदलती हुई दिखाई दे रही है। पहले ही मुस्लिम लीग जैसी बन चुकी कांग्रेस अब माओवादी पार्टी बनने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री की बात का मतलब यह है। 'यही बात (पूर्व प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह भी कह चुके थे कि माओवाद और नक्सलवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं और उन्हें खत्म करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के खिलाफ हथियार उठाकर लड़ने वाले नक्सलियों को काफी हद तक खत्म कर दिया गया है। लेकिन उनकी विचारधारा शहरी इलाकों में अभी भी मौजूद है और उससे भी निपटना जरूरी है।'

एफआईआर की खबर में गलत फोटो लगने पर फूटा अभिनेत्री अंतरा बनर्जी का गुस्सा

कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

एजेंसी

मुंबई। अभिनेत्री अंतरा बनर्जी की तस्वीर का इस्तेमाल कथित तौर पर कई मीडिया आउटलेट्स ने एक एफआईआर की रिपोर्टिंग के दौरान किया था। हालांकि, इस एफआईआर में ठाणे की मॉडल अंतरा सोहम बनर्जी शामिल थीं। इस विवाद पर अभिनेत्री अंतरा बनर्जी ने आईएएनएस से खास बातचीत की। अंतरा बनर्जी ने कहा, 'मैं तब से सदमें में हूं। मुझे कोई आइडिया नहीं था कि यह क्यों हुआ। कल मुझे दिन के समय में पता चला। मेरे परिवार और दोस्तों से मुझे बहुत सारे

फोन, बहुत सारे मैसेज आए और वे सब पूछ रहे थे कि 'क्या तुम ठीक हो? क्या तुम ठीक हो?' मुझे कोई आइडिया नहीं था। जब मैंने एक मैसेज खोला, तो उसमें मेरी एक फोटो थी, जिसमें ये सारी बातें लिखी थीं और फिर मुझे पता चला कि यह सब इंटरनेट पर है।' उन्होंने आगे कहा कि जाहिर है, मैं उस समय क्या कर सकती थी? मैं सदमे में थी, और अभी भी वही चल रहा है। यह एक बहुत ही दिमागी तौर पर परेशान करने वाली घटना है, जो बदकिस्मती से हुई है। अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरी मम्मी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

युवा शक्ति, इनोवेशन और जन भागीदारी से जल संरक्षण को देंगे नई गति : सीआर पाटिल

'युवा शक्ति के साथ संवाद का अनुभव अत्यंत सुखद रहा'

एजेंसी

सूरत। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि युवा शक्ति, इनोवेशन और जन भागीदारी से जल संरक्षण को नई गति दी जाएगी। केद्रीय मंत्री पाटिल एसवीएनआईटी, सूरत में आयोजित 'वन डे-वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों और युवा शक्ति के साथ संवाद किया और जल संरक्षण व स्वच्छता को लेकर केंद्र सरकार के विजन को साझा किया।

पाटिल ने कहा कि देश की युवा शक्ति के साथ संवाद का अनुभव अत्यंत सुखद रहा। उन्होंने युवा साथियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी के 'हर घर जल, हर घर स्वच्छता' के संकल्प तथा 'जल संचय-जन भागीदारी' के माध्यम से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के विजन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा जल एवं स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रस्तुत किए गए इनोवेशन और नए विचारों को जानकर उन्हें विशेष प्रसन्नता हुई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय और कॉलेज इनोवेशन एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के केंद्र हैं। जमीनी स्तर की समस्याओं के व्यावहारिक और कम लागत वाले समाधान तलाशने के लिए ऐसे संस्थानों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा शक्ति, विज्ञान, इनोवेशन और जनभागीदारी के सामूहिक प्रयासों से प्रधानमंत्री के जल-सुरक्षित और स्वच्छ भारत के संकल्प को और गति मिलेगी तथा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में देश आगे बढ़ेगा।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और इन्फ्लुएंसर नेहा राठौर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा राठौर के खिलाफ सोमवार देर शाम छत्तीसगढ़ के रायपुर कमिश्नरेट के सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवास यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर भाजपा नेता अजय चंद्राकर से जुड़े एक कथित भ्रामक और एडिटेड वीडियो को शेयर करने के आरोप में की गई है। मामले की शिकायत भाजपा प्रवक्ता उज्जवल दीपक की ओर से दर्ज कराई गई है।

दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(4), 353(2) और 196 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में नेशनल कांग्रेस और जेन-जी इंडिया के सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। भाजपा की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में एचएसवीपी प्लॉट धारकों के विवादों का होगा समाधान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने राज्य के प्लॉट धारकों को बड़ी राहत देते हुए विवादों से समाधान योजना 2026 की घोषणा की है। यह योजना मुख्य रूप से प्लॉट एन्हांसमेंट से संबंधित लंबित विवादों के एकमुश्त समाधान का अवसर प्रदान करती है, जिससे उन आवंटियों को भी लाभ मिलेगा जो पूर्व की योजनाओं का फायदा उठाने से चूक गए थे। प्राधिकरण इस योजना के जरिए 103 सेक्टरों के लगभग 4,924 लाभार्थियों को सम्मिलित करते हुए 724 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण छूट प्रदान कर रहा है। प्राधिकरण के प्रवक्ता ने बताया कि इस योजना के तहत आवासीय प्लॉटों के आवंटी, फ्लोर-वाइज पंजीकरण, ग्रुप हाउसिंग साइट्स, संस्थागत और औद्योगिक प्लॉट शामिल हैं। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए आवंटी अपने संबंधित प्राधिकरण के एस्टेट कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं या पोर्टल के माध्यम से अपना अनुरोध दर्ज करा सकते हैं।

गुहला-चीका की विकास योजना 2041 में बाढ़ प्रबंधन की मजबूत प्लानिंग करें अधिकारी- डीसी

कैथल। गुहला-चीका शहर के लिए डी-प्लान 2041 को लेकर सुबह लघु सचिवालय स्थित सभागार में डीसी अपराजिता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक में पिछली बैठक में जारी निर्देशों के अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा दिए गए सुझावों पर चर्चा की गई। डीसी अपराजिता ने निर्देश दिए कि वे गुहला-चीका के डी-प्लान में बाढ़ से बचाव के लिए मजबूत प्लानिंग बनाएं। इसके लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों से भी तालमेल किया जाए। डीटीपी ने समिति के समक्ष बैठक में बताया कि वर्ष 2041 तक के डी-प्लान के बारे में बताया कि एक दिसंबर 2011 को गुहला-चीका का अतिरिक्त कंट्रोल एरिया घोषित हुआ था। अब जो डी-प्लान तैयार किया गया है, उसके लिए सरकार ने 26 अप्रैल 2025 को अनुमति दी है। जिसे अब जिला स्तरीय समिति में स्वीकृति दी जानी है। उन्होंने बताया कि इस प्लान में करीब एक लाख 75 हजार जनसंख्या के लिए योजना तैयार की गई है। जिसमें मौजूदा 40 हेक्टेयर के अलावा कुल 1540 हेक्टेयर एरिया प्रस्तावित है।

ट्रैप में रिश्वत की रकम देने वालों को मिलेगी वापस, हरियाणा ने बनाया रिवॉल्विंग फंड

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं द्वारा विजिलेंस ट्रैप के लिए रिश्वत के रूप में दी गई राशि की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा विजिलेंस ब्यूरो रिवॉल्विंग फंड का गठन का गठन किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस फंड का संचालन महानिदेशक, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ट्रैप की कार्रवाई के दौरान पैसे देने वाले शिकायतकर्ता को जांच पूरी होने तक आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। इस व्यवस्था के तहत भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले नागरिकों को ट्रैप कार्रवाई के लिए उपलब्ध कराई गई राशि की प्रतिपूर्ति के लिए एक औपचारिक प्रक्रिया निर्धारित की गई है। संबंधित जांच अधिकारी प्रतिपूर्ति संबंधी प्रस्ताव को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित रेंज प्रभारी–पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) अथवा पुलिस अधीक्षक के माध्यम से भेजेंगे।

मुंबई में 23-24 अगस्त को होगा 'हैपनिंग हरियाणा' रोड शो : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में देश-विदेश के निवेशकों को हरियाणा में निवेश के लिए आकर्षित करने के उद्देश्य से 23 और 24 अगस्त को 'हैपनिंग हरियाणा' रोड शो आयोजित किया जाएगा। रोड शो के माध्यम से निवेशकों को हरियाणा की औद्योगिक क्षमता, मजबूत आधारभूत ढांचे और निवेश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। राव नरबीर सिंह ने सोमवार को जारी जानकारी में कहा कि हरियाणा सरकार इस दिशा में व्यापक तैयारियां कर रही है और प्रदेश के भविष्य के विकास का खाका तैयार करने के लिए प्रमुख विभागों द्वारा हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट-2030 तैयार किया गया है। उद्योग मंत्री ने कहा कि हरियाणा ने हाल ही में अपनी औद्योगिक नीति में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं और नई एमएसएमई नीति भी लागू की है। इन नीतियों के तहत वर्ष 2030 तक एमएसएमई क्षेत्र में 55 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रोड शो में निवेशकों को इन नीतियों के तहत मिलने वाले प्रोत्साहनों और निवेश को आसान बनाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी जाएगी।

विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेगी भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम : डॉ. अर्चना गुप्ता

'प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में पार्टी का संगठन निरंतर विस्तार, सशक्तीकरण और जनसेवा की दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा किए जाने पर हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने श्री नितिन नवीन सहित सभी नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्रीय संगठन में हरियाणा को मिले महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व के लिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा से जुड़े तीन प्रमुख कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलना प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए भी उत्साह और प्रेरणा का विषय है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा भाजपा प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनिया तथा हरियाणा से राज्यसभा सांसद श्री संजय भाटिया को राष्ट्रीय महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना प्रदेश के लिए विशेष सम्मान की बात

है। दोनों नेताओं का सांगठनिक अनुभव, कार्यकुशलता, समर्पण और व्यापक संगठनात्मक अनुभव राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया ने हरियाणा प्रदेश प्रभारी के रूप में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, श्री संजय भाटिया का भी संगठन, जनसेवा और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद का लंबा अनुभव रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर दोनों नेताओं को महत्वपूर्ण दायित्व मिलने से हरियाणा भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता में गौरव और उत्साह की भावना है।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने हरियाणा भाजपा के पूर्व सोशल मीडिया प्रमुख श्री अरुण यादव को राष्ट्रीय सोशल मीडिया सह-संयोजक की जिम्मेदारी मिलने पर भी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के क्षेत्र में श्री अरुण यादव के अनुभव और संगठन के प्रति उनकी सक्रियता का लाभ राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के विचार एवं जनकल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने में मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन के मार्गदर्शन में पार्टी का संगठन निरंतर विस्तार, सशक्तीकरण और जनसेवा की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नई राष्ट्रीय टीम में अनुभव, ऊर्जा, संगठनात्मक क्षमता और व्यापक क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का समन्वय किया गया है, जो पार्टी को देशभर में नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा को राष्ट्रीय संगठन में मिला यह महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व प्रदेश भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा का भी सम्मान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प, भाजपा की विचारधारा और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। डॉ. अर्चना गुप्ता ने सभी नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को पुनः हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

हरियाणा की महिला उद्यमी एवं महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप चंडीगढ़ में दिखाएंगी प्रतिभा

फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में दिखेगी महिलाओं की संघर्ष से सफलता की कहानी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की महिला उद्यमियों तथा महिलाओं द्वारा संचालित सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से प्रदेश भर की महिलाएं 21 अगस्त को राजधानी चंडीगढ़ में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफार्म (डब्ल्यूईपी) व देसी क्रेविंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए देसी क्रेविंग की संस्थापक सदस्य रूचिता बंसल ने बताया कि हरियाणा के ग्रामीण अंचल में बहुत सी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास हुनर तो है लेकिन मार्केट लिंक नहीं होने के कारण वह अपने उत्पादों को आम लोगों तक नहीं पहुंचा पाती है। जिसके चलते वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफार्म, में नीति आयोग की वरिष्ठ सलाहकार सुश्री ऐन्ना रॉय के नेतृत्व में देसी

क्रेविंग का गठन किया। इस प्लेटफार्म में संघर्ष के साथ सफलता हासिल करने वाली महिलाओं, सेल्फ हेल्प ग्रुप आदि से जुड़ी महिलाओं को शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली 50 महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा और प्रथम तीन स्थान पर आने वाली महिलाओं को वित्तीय प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ के हिमाचल भवन में होने वाले इस कार्यक्रम में हरियाणा के विभिन्न जिलों की महिलाएं फूड प्रोसेसिंग तथा खाद्य सामग्री से जुड़े क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं अपने उत्पाद लेकर आएंगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का एक मंच मुहैया करवाया जा रहा है। जहां से उन्हें खरीददार तथा लंबे समय तक चलने वाली ग्राहक चेन मिलेगी। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को अपने उत्पाद बेचने की ट्रेनिंग, हरियाणा व भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। दूर दराज के क्षेत्रों में रहकर घरों में काम करने वाली महिलाओं को उद्यमियों की श्रेणी में खड़ा किया जाएगा।

मतदाता प्रारूप मतदाता सूची में जांचे अपना नाम :- अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार

एजेंसी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें तथा यदि किसी प्रकार की त्रुटि, नाम छूटने, पता, आयु अथवा अन्य विवरण में संशोधन की आवश्यकता हो तो निर्धारित अवधि के दौरान अपने दावे एवं आपत्तियां अवश्य दर्ज करवाएं।

नरेंद्र कुमार ने बताया कि 30 अगस्त तक मतदाताओं को दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर प्रदान किया गया है। इस अवधि में पात्र नागरिक नए नाम जोड़ने, नाम हटाने, विवरण संशोधित कराने अथवा अन्य आवश्यक सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मतदाता ऑनलाइन माध्यम से भी अपने दावे एवं आपत्तियां दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा निर्धारित प्रपत्र भरकर संबंधित मतदान केंद्र पर अपने बीएलओ अथवा निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन भी जमा कराया जा सकता है। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। इसलिए प्रत्येक मतदाता अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम भी सूची में अवश्य जांच लें और यदि कोई पात्र मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो समय रहते आवेदन करें। मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे समय रहते प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन करें।

समाधान शिविर आयोजित

सीटीएम सुरेश कुमार ने सुनी समस्याएं, अधिकारियों को जल्द समाधान के दिए निर्देश

एजेंसी

करनाल। सीटीएम सुरेश कुमार ने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यह निर्णय आम जनता की समस्याओं के निराकरण करने का कारगर मंच साबित हुआ है। समाधान शिविरों के प्रति आम जनता का विश्वास बढ़ा है और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है।

सीटीएम सुरेश कुमार जिला मुख्यालय पर आयोजित शिविर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडल स्तरों पर आज आयोजित समाधान शिविरों में 4 शिकायतें आईं। इनमें करनाल मुख्यालय सहित नीलोखेड़ी, इंद्री

व घरौंडा उपमंडल में आयोजित समाधान शिविरों में एक-एक शिकायत प्राप्त हुई। वहीं असंध उपमंडल में आयोजित समाधान शिविर में कोई भी शिकायत प्राप्त नही हुई।

ये आई समस्याएं

करनाल मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर में वकील पुत्र अकबर गांव मरगैन में गंदे पानी के लिए रिचार्ज पिट बना कर गंदे पानी को उसमें डालने बारे आवेदन लेकर आए। इसी प्रकार नीलोखेड़ी उपमंडल में गुरजिन्द्र कौर पीपीपी में बुढ़ापा पेंशन वेरीफाई करवाने के लिए, इंद्री में अनवारी बुढ़ापा पेंशन लगवाने के लिए तथा घरौंडा में नीलम क्रीड से संबंधित समस्या लेकर आई।

जिला मुख्यालय व उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित

एजेंसी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किये गये। इन शिविरों में नागरिकों की समस्याएं सुनी गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन समस्याओं के समयबद्ध निपटारे बारे निर्देश दिये गए।

जिला मुख्यालय पर स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगराधीश शुभम, पुलिस उपाधीक्षक दलीप सिंह व जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध उचित निपटारा करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी इन समस्याओं को लंबित न रखें तथा यथाशीघ्र निपटारा करें।

उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों सांपला व महम में समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। सरकार के निर्देशानुसार एक छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित समस्याओं का तुरंत निदान करने के उद्देश्य से इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नागरिक समाधान शिविर में साधारण कागज पर अपनी समस्या को लिखकर लाये, जिसकी जिला प्रशासन द्वारा सुनवाई की जायेगी। पढ़ने-लिखने में असमर्थ नागरिक की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर में कर्मचारी तैनात किया गया है। इस अवसर पर संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी तथा भाजपा के प्रतिनिधियों में डॉ. अशोक रंगा व डॉ. अंकुश बिड्डू मौजूद रहे।

मतदाता सूची की जांच कर पात्र मतदाता अपना नाम अवश्य जांचें : डीसी

प्रारंभिक मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य विवरण में त्रुटि होने पर निर्धारित अवधि में दर्ज कराएं दावा–आपत्ति

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि हरियाणा में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन 31 जुलाई को किया जा चुका है। प्रारंभिक मतदाता सूची में नाम की जांच करने तथा किसी प्रकार की त्रुटि अथवा दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए दावे एवं आपत्तियों के लिए 30 अगस्त तक निर्धारित की गई है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना तथा अपने परिवार के पात्र सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो निर्धारित प्रपत्र संख्या-6 के

माध्यम से आवश्यक दस्तावेज तथा घोषणा-पत्र सहित नाम शामिल करवाने के लिए दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। वहीं मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो अथवा अन्य विवरण में संशोधन के लिए प्रपत्र संख्या-8 आवश्यक दस्तावेज तथा घोषणा-पत्र सहित भरा जा सकता है। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि किसी अपात्र, मृत, स्थानांतरित अथवा अन्य स्थान पर पहले से पंजीकृत मतदाता के संबंध में नाम हटाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रपत्र संख्या-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज की जा सकती है। दावों एवं आपत्तियों को संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी अथवा सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा किया जा सकता है। नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने स्पष्ट किया कि सुनवाई का नोटिस प्राप्त होना मतदाता का नाम हटाए जाने की अस्वीकृति का अंतिम निर्णय नहीं है। यह सत्यापन एवं सुनवाई प्रक्रिया का एक हिस्सा है, जिसके माध्यम से संबंधित व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी द्वारा संबंधित दस्तावेजों, अभिलेखों एवं प्रस्तुत पक्ष की जांच के पश्चात नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा।

डीसी ने जिलावासियों से अपील की है कि वे सुनवाई नोटिस को गंभीरता से लें, निर्धारित तिथि पर उपस्थित हों तथा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर प्रक्रिया में सहयोग करें। पात्र मतदाताओं के हितों की रक्षा करते हुए मतदाता सूची को सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

हरियाणा के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में प्रतिदिन होगा 5 मिनट का योग ब्रेक

मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुरूप शुरू हुआ महत्वाकांक्षी 'वाई-ब्रेक' कार्यक्रम

शिफ्ट में संचालित इकाइयों में प्रत्येक शिफ्ट के 50 कर्मचारियों पर कम से कम एक प्रशिक्षित कर्मी सुनिश्चित करेगा योग अभ्यास में सहभागिता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक औद्योगिक प्रतिष्ठान में प्रतिदिन पांच मिनट का 'वाई-ब्रेक' (कार्यस्थल पर योग ब्रेक) सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध पहल शुरू की है। इसके तहत प्रत्येक औद्योगिक इकाई में योग शिविर एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे तथा एक माह के भीतर प्रत्येक 50 कर्मचारियों पर कम से कम एक कर्मचारी को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो कार्यस्थल पर योग सत्रों का संचालन करेगा। यह जानकारी आयुष विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने दी।

शिफ्ट में संचालित होने वाली औद्योगिक इकाइयों में प्रत्येक कार्यरत शिफ्ट में 50 कर्मचारियों के समूह पर कम से कम एक प्रशिक्षित कर्मचारी की व्यवस्था की जाएगी। इससे अलग-अलग शिफ्ट में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी कार्यस्थल पर योग की सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी।

यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा के अनुरूप शुरू किया गया है, जिसमें हरियाणा के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों के

लिए प्रतिदिन पांच मिनट के 'वाई-ब्रेक' का प्रावधान किया गया था। आयुष विभाग ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को पत्र लिखकर हरियाणा के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं औद्योगिक संघों तक इस एडवाइजरी को पहुंचाने तथा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के अनुसार इसे समयबद्ध ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक जिले में जिला उद्योग केंद्र (GM-DIC) के महाप्रबंधक, जिला आयुर्वेद अधिकारी के साथ समन्वय कर योग शिविरों और प्रशिक्षण सत्रों का कार्यक्रम तैयार करेंगे। इस समन्वित प्रयास के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जिले की प्रत्येक औद्योगिक इकाई को इस कार्यक्रम का लाभ मिले। योग सहायकों के मार्गदर्शन में एक माह के भीतर प्रत्येक औद्योगिक इकाई द्वारा एक या दो कर्मचारियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे प्रत्येक 50 कर्मचारियों पर कम से कम एक प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक उपलब्ध होगा, जो अपने कार्यस्थल पर 'वाई-ब्रेक' सत्रों का संचालन करेगा। एडवाइजरी के तहत उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों से भी स्वेच्छा से कार्य अवधि के दौरान पांच मिनट का 'वाई-ब्रेक' अपनाने और उसका अभ्यास करने का आग्रह किया गया है। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा अधिक स्वस्थ, उत्पादक और तनावमुक्त कार्य वातावरण तैयार करना है।

जिला स्तरीय तिरंगा यात्रा में बच्चों, युवाओं से लेकर बुजुर्गों ने उत्साह और जोश के साथ की सहभागिता

एजेंसी

होडल। भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' और 'वंदे मातरम' अभियान के तहत होडल के विधायक और तिरंगा यात्रा के संयोजक हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में उपमंडल होडल में राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल से सती सरोवर होडल तक निकाली गई विशाल जिला स्तरीय तिरंगा यात्रा को लेकर बच्चों, युवाओं से लेकर बुजुर्गों में तिरंगा के मान-सम्मान के प्रति जोश और जूनून दिखाई दिया। विशाल तिरंगा यात्रा में युवाओं से लेकर बुजुर्गों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर सिद्ध कर दिया कि देश की आन-बान-शान से बढक़र कुछ भी नहीं है। जिला के गांव खिरबी निवासी युवा छात्र हर्ष कुमार और गांव पेंगलतु निवासी रवि कुमार ने तिरंगा यात्रा में सहभागिता करते हुए कहा कि तिरंगा यात्रा में युवाओं की भागीदारी देखकर मन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। आज की युवा पीढ़ी देश की शक्ति और भविष्य है। हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए, जिन्होंने देश की आजादी और सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

इस तिरंगा यात्रा ने यह संदेश दिया है कि देश प्रेम केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हमारे व्यवहार और कर्मों में भी दिखाई देना चाहिए। जय हिंद, जय भारत। जिला के गांव गोडौता निवासी दिनेश कुमार ने कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल होकर मुझे अत्यंत गर्व और सम्मान की अनुभूति हुई। तिरंगा केवल हमारे देश का झंडा नहीं, बल्कि भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसके तीनों रंग और अशोक चक्र हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाते हैं।

एक नजर

अमेरिकी कर्ज संकट गहराया, सोने-चांदी में निवेश से मिलेगी सुरक्षा: रिपोर्ट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। यूएस के एक मशहूर निवेशक ने एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिए अमेरिका को लेकर बड़ी चेतावनी जारी की है। उन्होंने न केवल बढ़ते अमेरिकी कर्ज पर चिंता जताई है, बल्कि इस संभावित संकट से बचने के लिए सोना और चांदी में निवेश की सलाह भी दी है, जिसके लिए चौंकाने वाले लक्ष्य मूल्य निर्धारित किए गए हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले यूएस के निवेशक ने अपने प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिका पर बढ़ते राष्ट्रीय कर्ज को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द ही अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो एक बड़ी आर्थिक चुनौती का संकेत है। इस गंभीर चेतावनी के साथ उन्होंने अपने फॉलोअर्स से सवाल किया कि वे इस आसन्न संकट से निपटने के लिए क्या तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इस वित्तीय संकट से बचाव के लिए सोना और चांदी में निवेश की जोरदार वकालत की। उन्होंने अपने एक अनुभवी मित्र का हवाला देते हुए बताया कि चांदी की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में जल्द ही 200 डॉलर प्रति औंस (लगभग 19,000 रुपये से अधिक) और सोने की कीमत 10,000 डॉलर प्रति औंस (लगभग 95 लाख रुपये से अधिक) तक पहुंच सकती है। उन्होंने विशेष रूप से चांदी पर जोर देते हुए कहा कि अगस्त 2026 तक यह निवेश का सबसे बेहतरीन विकल्प साबित होगी, क्योंकि इसे गरीब भी आसानी से खरीद सकते हैं। अपनी पोस्ट के अंत में उन्होंने एक महत्वपूर्ण सलाह दी कि कैश बचाने वाले ही सबसे अधिक नुकसान उठाते हैं। उन्होंने लोगों को केवल सोचने के बजाय कार्रवाई करने पर जोर दिया। वे अपनी वित्तीय सलाह और भविष्यवाणियों के कारण सोशल मीडिया पर खासे लोकप्रिय हैं, और एक्स पर उनके फॉलोअर्स की संख्या 3 मिलियन से अधिक हो चुकी है।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसी)। एशिया बाजारों में मंगलवार को शुरूआती कारोबार में एशियाई शेयर बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला, जिसमें एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स 0.3 फीसदी ऊपर चढ़ा। सोमवार की छुट्टी के बाद ट्रेडर्स की वापसी से दक्षिण कोरियाई शेयरों में 3 फीसदी की बढ़त हुई। जहां दक्षिण कोरियाई बाजार ऊपर चढ़े, वहीं जापान में निक्केई 225 नीचे कारोबार कर रहा है। हालांकि, यह शुरूआती निचले स्तरों से उबरने में कामयाब रहा है। टोक्यो में टापिक्स इंडेक्स खराब शुरूआत के बाद पॉज़िटिव जोन में वापस आ गया है।

ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास घटाने का क्यों दे दिया आदेश

वाशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों में कटौती करने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे ईरान को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की अमेरिकी कोशिशों में दक्षिण कोरिया के सहयोग से इनकार और उत्तर कोरिया को इन अभ्यासों से मिलने वाले कथित दुश्मनी भरे संकेत को वजह बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति से ईरान को परमाणु-मुक्त करने के अमेरिकी प्रयासों में शामिल होने को कहा था, लेकिन दक्षिण कोरिया ने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह शुरू होने वाले सैन्य अभ्यास महंगे होने के साथ-साथ उत्तर कोरिया के लिए अनुचित और उकसावे वाले संकेत भी हैं। ट्रंप ने कहा कि अभ्यास रद्द करने में अब देर हो चुकी है, इसलिए उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को संयुक्त सैन्य अभ्यासों में काफी कटौती करने का निर्देश दिया है।

अमेरिका और ईरान के बीच 14 सूत्री समझौते की अवधि समाप्त

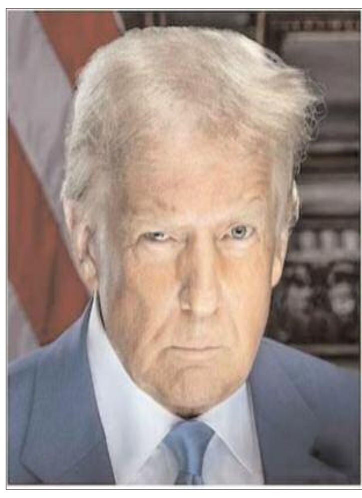

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुआ 14 सूत्री समझौता ज्ञापन यानी एमओयू सोमवार को अपनी 60 दिन की अवधि पूरी होने के साथ ही समाप्त हो गया है, लेकिन दोनों देशों के बीच का पुराना गतिरोध अब भी पूरी तरह बरकरार है। स्थिति यह है कि समझौते की मियाद पूरी होने के बाद दोनों देशों के बीच दूरियां और अधिक बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए ईरानी राष्ट्रपति और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच इस 14 सूत्री एमओयू पर आपसी सहमति बनी थी, जिसके तहत दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाई को तत्काल और स्थायी रूप से रोकने पर रजामंदी जताई थी। इस समझौते के दायरे में लेबनान का मुद्दा भी शामिल था और इसके तहत अमेरिका को आगामी 30 दिनों के भीतर अपनी नाकेबंदी को पूरी तरह खत्म करना था।

अंतिम समझौता होने के बाद ईरान के आसपास से अमेरिकी बलों को हटाने और ईरान के लिए 300 अरब डॉलर का एक बड़ा आर्थिक पैकेज तैयार किए जाने की बात कही गई थी। अमेरिका ने ईरान पर से प्रतिबंध हटाने, उसके तेल निर्यात के लिए विशेष छूट देने और विदेशों में जमा उसकी रुकी हुई रकम तक पहुंच की अनुमति देने पर अपनी सहमति व्यक्त की थी। वहीं, दूसरी ओर ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटानी थीं तथा अगले 60 दिनों तक पोतों को बिना किसी शुल्क के सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराना था। तेहरान ने इस दौरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा में कोई भी कोशिश न करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता भी जताई थी।

हालांकि, इस पूरे समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे बड़ा विवाद का केंद्र बन गया। समझौते के अनुच्छेद-5 में होर्मुज के रास्ते वाणिज्यिक पोतों की सुरक्षित आवाजाही का जिक्र था, लेकिन इसके भविष्य के प्रशासन और समुद्री सेवाओं को लेकर ईरान और ओमान के बीच समानांतर बातचीत की बात कही गई थी, यहीं से असल विवाद की शुरूआत हुई। ओमान ने अमेरिका के पूर्ण समर्थन से एक ऐसा समुद्री मार्ग जारी किया जिसके तहत पोतों को उसके तट के बेहद करीब से गुजरना था। इसके विपरीत, ईरान पहले ही एक ऐसा नक्शा जारी कर चुका था जिसमें पोतों को उसके तट के करीब से गुजरना तय किया गया था और ओमान की ओर के मार्ग को पूरी तरह प्रतिबंधित बताया गया था। जून महीने के अंत में ओमान वाले मार्ग से गुजरने वाले कई पोतों को निशाना बनाया गया, जिसके बाद अमेरिका ने ईरान पर दोबारा हमले शुरू कर दिए जो लगातार दो सप्ताह तक जारी रहे।

वैश्विक तनाव से घरेलू शेयर बाजार फिसला

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर खुले। सुबह शुरूआत में सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 77,468.44 पर और निफ्टी 52 अंक की गिरावट के साथ 24,234.75 पर कारोबार कर रहा था। शुरूआती कारोबार में निफ्टी50 में इंफोसिस सहित कई आईटी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। सेक्टरों में आईटी और रियल्टी सबसे ज्यादा कमजोर रहे, जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा ने बाजार की गिरावट के बीच मजबूती दिखाई। बाजार के जानकारों के मुताबिक निफ्टी लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की धारणा पर लगातार दबाव डाल रही हैं। उन्होंने 24,150 को तत्काल सपोर्ट और 24,450-24,500 को अहम रेजिस्टेंस बताया।

सोना-चांदी धड़ाम! एक दिन में 3,500 रुपए तक टूटे दाम

सोना 1,55,070 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी का भाव 2,35,450 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलते ही सोने के दाम 1,000 रुपये तक और चांदी 2,600 रुपये तक नीचे आ गई। सुबह एक घंटे के भीतर दोनों कीमती धातुओं में करीब 3,500 रुपये तक की गिरावट देखी गई, जिसने सोमवार की पूरी बढ़त को खत्म कर दिया। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह बाजार खुलने के बाद 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं 4 सितंबर की डिलीवरी वाली चांदी में 2,598 रुपये की कमी आई और यह 2,35,450 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को सराफा बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव 15,589 रुपये प्रति ग्राम रहा, जबकि 22 कैरेट सोना 14,290 रुपये प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 11,692 रुपये प्रति ग्राम पर बिका। चांदी का भाव 250 रुपये प्रति ग्राम और 2.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रहा। देश के अलग-अलग शहरों में सोने-चांदी की कीमतों में मामूली अंतर देखने को मिला।

पाकिस्तान में छापा, 40 चीनी समेत 258 विदेशी हिरासत में

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में कथित स्कैम कॉल सेंटर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने 258 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें 40 चीनी और 170 वियतनामी नागरिक शामिल हैं। कार्रवाई सोमवार को राजधानी के बाहरी इलाके गुलबर्ग ग्रीन स्थित एक हाउसिंग सोसायटी में की गई, जहां कथित तौर पर विदेशी नागरिक संगठित तरीके से कॉल सेंटर चला रहे थे।अधिकारियों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए लोगों पर ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है, जिनकी उनके वीजा की शर्तों के तहत अनुमति नहीं थी। छापेमारी के बाद सभी संदिग्धों की पहचान, राष्ट्रीयता, वीजा दस्तावेज और कथित कॉल सेंटर में उनकी भूमिका की जांच शुरू कर दी गई है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच पूरी होने के बाद की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए अधिकांश विदेशी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान पहुंचे थे। जांच एजेंसियों का आरोप है कि उन्होंने पाकिस्तान में रहते हुए ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिसकी उनके वीजा के तहत अनुमति नहीं थी। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक एक ही परिसर में मिले। इसके बाद अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। हिरासत में लिए गए लोगों को पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए रावलपिंडी की जेल में रखा गया है। अधिकारियों ने संबंधित देशों के दूतावासों को कार्रवाई की जानकारी दे दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि कथित कॉल सेंटर में किस तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही थीं और हिरासत में लिए गए लोगों की इसमें क्या भूमिका थी। पाकिस्तान में कथित अवैध कॉल सेंटरों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई पहले भी हो चुकी है। जुलाई 2025 में की गई एक छापेमारी के दौरान 149 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.68 प्रति डॉलर पर

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसी)। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार के कारोबारी दिन रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.61 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत टूटकर 99.63 पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत के करीब 91 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने से तेल से संबंधित डॉलर की मांग में वृद्धि हुई है। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती एफसीएनआर (बी) विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा को अनुमान से पहले बंद किए जाने से भविष्य में डॉलर के प्रवाह को लेकर चिंता भी बढ़ी है।

टीवी रेटिंग्स ठप: विज्ञापन बाजार पर मंडराया संकट

विज्ञापन खर्च घटकर 2025 में 26,300 करोड़ रहने का अनुमान

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। भारत के दूसरे सबसे बड़े टीवी बाजार में टेलीविजन दर्शकों की माप और रेटिंग का काम 1 जुलाई से पूरी तरह ठप पड़ा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) को नई टेलीविजन रेटिंग नीति के तहत उसके पंजीकरण नवीनीकरण पर फैसला होने तक यह काम रोकने का निर्देश दिया है।

इस अनिश्चितता ने विज्ञापन उद्योग में चिंता बढ़ा दी है, खासकर त्योहारी सीजन के मद्देनजर। एक महीने से अधिक समय से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टीवी बाजार में टीवी रेटिंग का काम पूरी तरह ठप है। यह आदेश तब तक लागू रहेगा जब तक नई टेलीविजन रेटिंग नीति के तहत बीएआरसी के पंजीकरण के नवीनीकरण के आवेदन पर फैसला नहीं हो जाता। मौजूदा समय में पारंपरिक टीवी पर विज्ञापन खर्च लगातार घट रहा है, जो 2023 में 31,200 करोड़ रुपये से घटकर 2025 में 26,300 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

हालांकि, जुलाई में विज्ञापन खर्च पर तत्काल कोई बड़ा असर नहीं दिखा, क्योंकि अधिकांश सौदे पहले ही हो चुके थे। लेकिन अगस्त से शुरू हो रहे त्योहारी सीजन में टीवी पर विज्ञापन खर्च सबसे अधिक होता है। यदि रेटिंग आंकड़ों का यह संकट जारी रहता है, तो कई विज्ञापनदाता टीवी पर अपने खर्चों पर पुनर्विचार कर सकते हैं। इस स्थिति का असर विभिन्न प्रसारण कंपनियों पर अलग-अलग पड़ेगा। जियोस्टार, जी या सोनी जैसे बड़े नेटवर्क शायद पुराने दर्शक आंकड़ों और उनकी बाजार हिस्सेदारी के आधार पर विज्ञापन प्राप्त कर लें, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं या छोटे भौगोलिक क्षेत्रों को लक्षित करने वाले छोटे ब्रांडों और चैनलों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। नई टेलीविजन रेटिंग नीति का मूल उद्देश्य अच्छा है, जिसका लक्ष्य रेटिंग के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों के लिए भी प्रवेश आसान करना है।

ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रंप से खफा

होर्मुज पर अटका रास्ता

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसी)। ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी सहयोगी निराश बताए जा रहे हैं। उन्हें आशंका है कि लंबे समय से जारी बातचीत के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो सका है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ट्रंप के खाड़ी देशों के नेताओं से अच्छे संबंध हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार संपर्क बना हुआ है। ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी से इनकार किया है। उनका कहना है कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है और उसके आर्थिक हालात पर नजर रख रहा है।

इससे पहले उन्होंने संभावित सैन्य कार्रवाई भी रोक दी थी और कहा था कि जल्द समझौता होने पर हमले की जरूरत नहीं पड़ेगी। खाड़ी देशों का ईरान को लेकर रुख अलग-अलग है। संयुक्त अरब अमीरात ईरान पर सैन्य दबाव बढ़ाने के पक्ष में है और मानता है कि इससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड पीछे हट सकता है। वहीं सऊदी अरब बातचीत और तनाव कम करने का समर्थन करता है।

ट्रंप ने की भारतीय चुनाव प्रणाली की प्रशंसा

पूर्व राष्ट्रपति ने भारत के बड़े चुनाव व कम डाक मतपत्रों का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव प्रणाली की सराहना करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका में चुनावी नियमों को सख्त बनाने की वकालत की है। उन्होंने मतदान के लिए वैध फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने और डाक मतपत्रों के उपयोग को सीमित करने पर जोर दिया, जिसके लिए उन्होंने भारत का उदाहरण प्रस्तुत किया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि भारत के पिछले आम चुनाव में 64.6 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान किया, जिसमें एक फीसदी से भी कम वोट डाक मतपत्र के जरिये डाले गए। उन्होंने भारतीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का भी जिक्र किया, जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों से वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कराने पर सवाल किया था। ट्रंप ने कहा कि भारत में हर मतदाता के पास मतदान के लिए वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी है। भारत की इस व्यवस्था का हवाला देते हुए ट्रंप अमेरिका में भी मतदाता पहचान संबंधी नियम सख्त करने पर जोर दे रहे हैं।

फिलीपींस की एटीनियो डी जेमबोएना यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी के बाद लोगों की भीड़ वहां लग गयी। यहां हुई गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हुई थी।

दुनिया में बसने के लिए सबसे बेहतर देश है पनामा

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसी)। विदेश जाकर बसने, काम करने और बेहतर जीवनशैली की तलाश करने वालों के लिए पनामा को सबसे बेहतर देश माना गया है। 2026 की एक्सपैट इनसाइडर सर्वे रैंकिंग में पनामा लगातार तीसरे साल पहले स्थान पर रहा। इस बार 31 देशों को रैंकिंग में शामिल किया गया है। मेक्सिको दूसरे और थाईलैंड तीसरे स्थान पर रहे। भारत को इस साल की सूची में जगह नहीं मिली। अमेरिका 20वें और नॉर्वे 31वें यानी आखिरी स्थान पर रहा। रैंकिंग तैयार करने में जीवन की गुणवत्ता, स्थानीय लोगों के साथ घुलने-मिलने की आसानी, काम के अवसर, व्यक्तिगत वित्त और आवास जैसी सुविधाओं को आधार बनाया गया। इस साल प्रवासियों के प्रति मित्रवत व्यवहार और किफायती जीवनशैली का भी रैंकिंग पर खास असर रहा। सर्वे में 162 देशों के 7,786 प्रवासियों ने हिस्सा लिया। पिछले साल 45 देशों को रैंकिंग में जगह मिली थी।

ट्रंप ने ओमान से कहा दखल न दें, नहीं तो बम गिरा देंगे

होर्मुज स्ट्रेट मामले में दखल पर भड़का अमेरिका

वाशिंगटन,, 18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ओमान को होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान के साथ चल रही बातचीत में किसी भी तरह की रुकावट डालने के खिलाफ खुली चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यदि ओमान ने इस मामले में दखलअंदाजी की, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा और बम गिराने में भी देर नहीं लगेगी। एक विशेष साक्षात्कार के दौरान, ट्रंप से होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर ईरान और ओमान के बीच चल रही समानांतर बातचीत के संबंध में सवाल पूछा गया था, जिसके उत्तर में उन्होंने यह कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका इस मामले में किसी भी समझौते पर जल्दबाजी में पहुंचने के पक्ष में नहीं है।

बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात की पुष्टि की कि अमेरिका और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अधिकारियों के बीच बैकचैनल के माध्यम से बातचीत जारी है। ट्रंप ने दोहराया कि उन्हें इस कूटनीतिक प्रक्रिया को लेकर कोई जल्दी नहीं है और अमेरिका इस गतिरोध के बीच धैर्य के साथ काम ले रहा है। उनके अनुसार, ओमान को अमेरिकी हितों या ईरान से जुड़ी कूटनीतिक बातचीत में किसी भी रूप में बाधा नहीं बनना चाहिए।

दूसरी ओर, ईरान ने सोमवार को यह दावा किया था कि उसने ओमान के साथ होर्मुज से जहाजों के गुजरने की योजना पर एक समझौता कर लिया है। दोनों पक्षों के बीच इस महत्वपूर्ण मार्ग को लेकर संयुक्त बयान के विवरण को अंतिम रूप देने पर काम चल रहा है। ईरान के विदेश मामलों के प्रवक्ता ने तेहरान में जानकारी दी थी कि ट्रांजिट रूट के मानचित्र पर सहमति बन चुकी है। इस संभावित समझौते के तहत इस जलमार्ग को दोबारा खोले जाने और बिना किसी टोल या फीस के जहाजों के आवागमन की योजना पर चर्चा की गई है। ज्ञात हो कि होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और वैश्विक स्तर पर तेल आपूर्ति के लिए अत्यधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस जलमार्ग के नियंत्रण और जहाजों के आवागमन को लेकर पिछले कुछ समय से तनाव की स्थिति बनी हुई है। ईरान और ओमान के बीच की इस संभावित साझेदारी पर अमेरिकी राष्ट्रपति का यह रुख क्षेत्रीय कूटनीति में नए समीकरण और उलझनें पैदा कर सकता है। ट्रंप की इस दो टूक चेतावनी और ईरान के दावों के बीच मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

किम जोंग पर सवाल से भड़के ट्रंप, रिपोर्टर को कहा- चुप रहो...फेक रिपोर्टर

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में एक महिला रिपोर्टर के सवाल पर भड़क गए। रिपोर्टर ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ ट्रंप के संबंधों और दक्षिण कोरिया के साथ अमेरिकी सैन्य अभ्यासों में कटौती को लेकर सवाल किया था। नाराज ट्रंप ने रिपोर्टर को बार-बार चुप रहने को कहा और उसे फेक न्यूज तथा फेक रिपोर्टर करार दिया। यह घटनाक्रम 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ। विलियम्स ने कैलिफोर्निया के एक समुद्र तट पर तेज लहरों के बीच 10 वर्षीय भारतीय मूल के बच्चे की जान बचाई थी। इसके बाद उसे सम्मानित करने के लिए व्हाइट हाउस बुलाया गया था।कार्यक्रम के दौरान रिपोर्टर क्रिस्टन होम्स ने पहले ट्रंप और उनकी कार्यकारी सहायक नताली हार्प से जुड़ा सवाल पूछा। इस पर व्हाइट हाउस की रैपिड रिस्पॉन्स टीम ने सोशल मीडिया पर रिपोर्टर की आलोचना की और उस पर युवा लाइफगार्ड के सम्मान के कार्यक्रम को राष्ट्रपति के स्टाफ से जुड़े सवाल के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इसके बाद होम्स ने ट्रंप से उत्तर कोरिया और किम जोंग उन के साथ उनके संबंधों को लेकर सवाल किया। ट्रंप उस समय किम के साथ अपने संबंधों और दक्षिण कोरिया के साथ अमेरिकी सैन्य अभ्यासों में कटौती के फैसले का बचाव कर रहे थे। ट्रंप ने कहा कि किम ने हमेशा उनके साथ सम्मान से व्यवहार किया है और दोनों एक-दूसरे को समझते हैं। जब रिपोर्टर ने पूछा कि क्या किम ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में कटौती की मांग की थी, तो ट्रंप नाराज हो गए। उन्होंने रिपोर्टर को बीच में रोकते हुए कहा कि वह युवा लाइफगार्ड के सामने अभद्र व्यवहार कर रही हैं। रिपोर्टर के सवाल जारी रखने पर ट्रंप ने उसके संस्थान का नाम पूछा और फिर उसे फेक न्यूज बताते हुए चुप रहने को कहा। इससे एक दिन पहले ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों में बड़ी कटौती की घोषणा की थी।

हिन्दी दैनिक आकाश ज्योति

असम में बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा है या माफिया की तबाही भी!

>> विचार

> असम में बाढ़ और नदी के किनारों का कटाव सबसे बड़ी पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ हैं। निस्संदेह, इनकी जड़ें ब्रह्मपुत्र और बराक नदी प्रणालियों की खास जल-संबंधी और भू-आकृति संबंधी विशेषताओं में हैं। ब्रह्मपुत्र और उसकी कई सहायक नदियाँ -- जैसे सुबनसिरी, रंगा नदी, दिखो, धनसिरी, जिया-भराली, मानस, बेकी, आइ, संकोश आदि -- असम से होकर बहती हैं। अपने ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद इनमें जलस्तर तेज़ी से बढ़ता है। बहरहाल, असम में बाढ़ को केवल किसी खास साल में हुई भारी बारिश का ही नतीजा नहीं माना जा सकता।

भूपेन सरमा

असम का पर्यावरण नदियों और उनकी सहायक नदियों के एक बड़े नेटवर्क से बना है। ये नदियाँ अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मिज़ोरम, मणिपुर की पहाड़ियों और पड़ोसी देश भूटान से निकलती हैं और ब्रह्मपुत्र व बराक नदियों में मिलकर एक बहुत ही गतिशील और जटिल नदी प्रणाली बनाती हैं। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियाँ, बराक नदी प्रणाली के साथ मिलकर, मानसून के दौरान लगभग हर साल असम के मैदानी इलाकों के बड़े हिस्से को डुबो देती हैं। राज्य की पारिस्थितिकीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के नाते, असम में बाढ़ का सीधा संबंध कई महत्वपूर्ण मुद्दों से है, जैसे कि बाढ़ के मैदानों का प्रबंधन, नदी के किनारों का कटाव, आर्द्रभूमि (वेटलैंड) का संरक्षण, शहरीकरण, तटबंध नीति, खेती पर बाढ़ का असर और लंबे समय तक चलने वाला आपदा प्रबंधन।

असम में बाढ़ की बार-बार आने की प्रकृति : असम में बाढ़ को आम तौर पर एक लगातार बनी रहने वाली प्राकृतिक आपदा माना जाता है। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के आकलन के अनुसार, राज्य का बाढ़-प्रभावित क्षेत्र 31,500 वर्ग किलोमीटर है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 39.58% है और देश के कुल बाढ़-प्रभावित क्षेत्र का लगभग 9.4% हिस्सा है। बाढ़ की सबसे बुरी आपदा 2019 में आई थी, जब 73 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए थे। इसी तरह, 2020 में लगभग 58 लाख और 2022 में 57.50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए थे। साल 2024 में भी राज्य में बाढ़ से हालात बहुत गंभीर थे। सरकारी सूत्रों के अनुसार, 7,794 गांवों में लगभग 43 लाख लोग प्रभावित हुए थे और बाढ़ व भूस्खलन से कुल 121 लोगों की मौत हुई थी। बार-बार आने वाली बाढ़ की समस्या को दिखाते हुए, असम में 2025 में बाढ़ की तीन अलग-अलग लहरें आईं। पहली लहर 31 मई से 22 जुलाई तक चली, जिसमें 2,630 गांव और 1,04,123 लोग प्रभावित हुए और 24 लोगों की मौत हुई थी। दूसरी लहर से 45,930 लोग प्रभावित हुए, जबकि तीसरी लहर ने 1,08,232 लोगों को प्रभावित किया और दो और लोगों की जान गई थी। ये असम में बार-बार आने वाली बाढ़ के कुछ ही उदाहरण हैं। बाढ़ के साथ आमतौर पर नदी के किनारों का कटाव और भारी मात्रा में गाद का जमाव भी होता है, जिससे बड़े पैमाने पर लोगों को विस्थापित होना पड़ता है और आबादी के ढांचे पर इसका साफ़ असर दिखता है। इसलिए, असम में आने वाली बाढ़ को उससे जुड़े सभी सामाजिक-आर्थिक संकटों को ध्यान में रखकर समझना ज़रूरी है, क्योंकि इसका खेती, घरों, पशुधन, बुनियादी ढांचे और आजीविका पर बहुत बुरा असर पड़ता है।

मुख्य कारण : असम में बाढ़ और नदी के किनारों का कटाव सबसे बड़ी पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ हैं। निस्संदेह, इनकी जड़ें ब्रह्मपुत्र और बराक नदी प्रणालियों की खास जल-संबंधी और भू-आकृति संबंधी विशेषताओं में हैं। ब्रह्मपुत्र और उसकी कई सहायक नदियाँ -- जैसे सुबनसिरी, रंगा नदी, दिखो, धनसिरी, जिया-भराली, मानस, बेकी, आइ, संकोश आदि -- असम से होकर बहती हैं। अपने ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद इनमें जलस्तर तेज़ी से बढ़ता है। बहरहाल, असम में बाढ़ को केवल किसी खास साल में हुई भारी बारिश का ही नतीजा नहीं माना जा सकता। राज्य की भू-आकृति को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता, जो नदी प्रणालियों के जटिल नेटवर्क और उसके कारण होने वाले तलछट जमाव, ज़मीन के इस्तेमाल में बदलाव से आर्द्रभूमि को होने वाले लगातार नुकसान और नदी के वातावरण में इंसानों के अनियोजित और अवैज्ञानिक दखल से बहुत ज़्यादा प्रभावित होती है। इन कारकों के मेल से पैदा हुए संकट को अब वैश्विक तापमान में वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) ने और भी ज्यादा गंभीर बना दिया है, जिससे यह समस्या और ज़्यादा विकट और जटिल हो गई है।

एक और पहलू माफिया का : ऊपरी असम के शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट जिलों में हाल ही में आई बाढ़, पानी भरने की रफ्तार और गहराई, दोनों ही मामलों में अनोखी थी। 20-22 जुलाई तक, इस भयानक और असामान्य रूप से विनाशकारी बाढ़ ने हज़ारों हेक्टेयर कृषि भूमि को बुरी तरह नुकसान पहुँचाया या डुबो दिया, और मरने वालों की कुल संख्या 100 से ज़्यादा हो गई। इसने लाखों लोगों को प्रभावित किया, जिनमें से कई लोगों ने पहले कभी ऐसी आपदा का सामना नहीं किया था। शुरुआत में सरकारी सूत्रों ने बताया था कि जुलाई में आई भयानक बाढ़ असम-नागालैंड सीमा पर ज़बरदस्त बादल फटने और बहुत ज़्यादा बारिश की वजह से आई थी। बहरहाल, यह दावा पूरी तरह से सही नहीं लगता और इस भयानक घटना को सिर्फ़ हर साल आने वाली प्राकृतिक आपदा नहीं माना जा सकता। ऊपरी असम के ज़िलों में हाल ही में आई बाढ़ ने बाढ़ रोकने के पारंपरिक तरीकों की कमियों, एकीकृत नदी-जलाशय के प्रबंधन, बाढ़ क्षेत्र में असरदार योजना, तटबंधों के रखरखाव, कटाव रोकने के उपायों और शीघ्र-चेतावनी प्रणाली वगैरह की ज़रूरत पर सवाल उठाने के अलावा, बड़े पैमाने पर संगठित और गैर-कानूनी तरीके से की जा रही खुदाई और दोहन की गतिविधियों के खतरनाक नतीजों को भी उजागर किया है। कई गैर-सरकारी स्त्रोतों के अनुसार, असम और नागालैंड की सीमा से लगे पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर और कथित तौर पर बिना किसी नियम-कानून के कोयले और पत्थर के खनन ने ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर बना दिया है। नदी-घाटियों के किनारों पर बड़े पैमाने पर खुदाई करके किए गए कोयला और पत्थर के खनन से भारी मात्रा में ढीली मिट्टी और गाद जमा हो गई है, जिससे नदियों की पानी ढोने की क्षमता भी काफी कम हो गई है। आरोप है कि ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों को राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार के कुछ बड़े राजनीतिक नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जिससे एक प्राकृतिक आपदा "माफिया द्वारा पैदा की गई तबाही" में बदल गई है।

राज्य और केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया : राज्य में विनाशकारी बाढ़ के प्रति भाजपा सरकार का रवैया बहुत ही लापरवाहीपूर्ण रहा है। सरकार की कार्रवाई मुख्य रूप से कुछ बचाव कार्यों, राहत शिविर लगाने, खाना बांटने और बाढ़ में मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवज़ा देने की घोषणा तक ही सीमित है। संकट के चरम पर, जब लगभग दस लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए थे, तब भी हज़ारों पीड़ितों तक राहत नहीं पहुँच पाई, क्योंकि सरकारी राहत तंत्र आपदा की गंभीरता के हिसाब से सही ढंग से काम करने में नाकाम रहा है। खासकर शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट में आपदा की गंभीरता ने भाजपा सरकार के ढीले-ढाले रवैये की पोल खोल दी। बड़ी संख्या में, बाढ़ से प्रभावित लोगों को लगभग पूरी तरह से राज्य भर के आम लोगों और अन्य राजनीतिक संगठनों द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों पर निर्भर रहना पड़ा है। सीपीआई (एम) और अन्य जन-संगठनों, खासकर एसएफआई, डीवाईएफआई और सीटू की भूमिका उल्लेखनीय रही है। बड़ी संख्या में बाढ़ से प्रभावित लोगों को ज़रूरी सामान तुरंत पहुँचाने के अलावा, पार्टी और अन्य जन-संगठनों ने कई प्रभावित इलाकों में किसानों के लिए धान की पौध का भी इंतज़ाम किया। इसके विपरित, जहाँ बड़ी संख्या में बाढ़ से प्रभावित लोग अभी भी अपनी ज़िंदगी बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, राज्य की भाजपा सरकार असम में 40 लाख परिवारों को रामायण और महाभारत की प्रतियाँ बाँटकर नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाने की योजना बना रही है। यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि असम में बाढ़ कोई कभी-कभार होने वाली घटना नहीं है, बल्कि यह एक बार-बार होने वाली ऐसी संरचनात्मक आपदा है, जो राज्य की खेती, आजीविका, बस्तियों, बुनियादी ढांचे और पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। बहरहाल, भारत सरकार का रवैया मुख्य रूप से आपातकालीन राहत के लिए अपर्याप्त मदद देने तक ही सीमित रहा है। उसकी बुनियादी संरचनात्मक समस्याओं को हल करने में कोई रुचि नहीं है। ऐसी मदद मुख्य रूप से राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के ज़रिए मिलती है। इस मदद की अपर्याप्तता इस बात से साफ़ है कि असम सरकार के अनुमान के अनुसार, 2014 और 2024 के बीच राज्य को कुल 37,780 करोड़ रुपये से ज़्यादा का नुकसान हुआ, जबकि इस दौरान राज्य ने केंद्र सरकार से कुल 27,270 करोड़ रुपये की मांग की थी। बहरहाल, भारत सरकार ने राज्य को कुल मिलाकर सिर्फ़ 6,542.83 करोड़ रुपये जारी किए, जो अनुमानित नुकसान का केवल 17 प्रतिशत था।

फिर भी, ब्रह्मपुत्र बेसिन में जलविद्युत (हाइड्रोपावर) की भारी क्षमता से आकर्षित होकर, भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी ऊपरी इलाकों में बड़ी संख्या में बांध बनाने में मदद की है। बहरहाल, ये बांध सब-बेसिन और बेसिन स्तर पर सामूहिक प्रभाव के किसी भी आकलन के बिना बनाए गए थे। नतीजन, असम पर ऐसे बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं के कारण निचले इलाकों में पड़ने वाले असर का ठीक से आकलन नहीं किया गया है। ऐसा ही एक अनसुलझा मुद्दा सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना है। यह 2,000 मेगावाट की परियोजना है, जिसमें 250 मेगावाट की आठ इकाईयाँ हैं। यह असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर सुबनसिरी नदी पर स्थित है और इसे राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) द्वारा लागू किया जा रहा है। 2014 तक इसके निर्माण के दौरान भाजपा ने इस परियोजना का पुरजोर विरोध किया था। बहरहाल, सत्ता में आने के बाद, उसी पार्टी ने इस परियोजना का समर्थन करना शुरू कर दिया। इस परियोजना की दो इकाईयाँ पहले ही चालू हो चुकी हैं, जबकि बाकी इकाईयों को दिसंबर 2026 तक चरणबद्ध रूप से चालू करने की योजना है। इसलिए, यह साफ़ है कि असम में बार-बार आने वाली बाढ़, नदी की प्राकृतिक गतिविधियों और इंसानों के कई अवैज्ञानिक और अनियोजित कामों के बीच जटिल तालमेल का नतीजा है। राज्य में आने वाली भयानक बाढ़ को सिर्फ़ असम सरकार नहीं संभाल सकती ; इसके लिए भारत सरकार और असम के पड़ोसी राज्यों की सरकारों की मिली-जुली कोशिशों की ज़रूरत है। बहरहाल, सत्ताधारी भाजपा का नज़रिया वैज्ञानिक और समावेशी होना चाहिए। बाढ़ के पानी को तालाबों और दूसरे जल-भंडारों में बदलने की योजना अपनाकर असम को "बाढ़-मुक्त" बनाने के केंद्रीय गृह मंत्री के ख्याली पुलाव का त्याग करके, भारत सरकार को इस बार-बार होने वाली समस्या से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक और समावेशी तरीका अपनाना चाहिए।

(लेखक जन विज्ञान आंदोलन के कार्यकर्ता और शोध अध्येता हैं तथा अंग्रेजी से अनुवाद : संजय पराते)

संपादकीय

रेलवे का पानी मत पीना

इस समय मोदी सरकार कोई भी काम केवल चमक धमक के लिए करता है और भीतर पूरी तरह से खोखली बात होता है और रेलवे में यही होरहा है !इस समय रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में मिलने वाले खाने की खराब गुणवत्ता की शिकायतें अक्सर आती हैं। अब कैग की रिपोर्ट में रेलवे के पीने के पानी की खराब स्थिति भी सामने आई है।रिपोर्ट के अनुसार, कई रेलवे स्टेशनों के पानी में ई-कोलाई और कोलीफार्म जैसे हानिकारक जीवाणु पाए गए। कुल 512 स्टेशनों की जांच की गई, जिनमें 458 स्टेशनों पर यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाओं की कमी मिली रेलवे समय-समय पर किराया बढ़ाने पर ध्यान देता है, लेकिन यात्रियों को साफ और सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके कारण यात्रियों को स्टेशन के नल का असुरक्षित पानी पीना पड़ता है या फिर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है। रेलवे ने पेयजल की गुणवत्ता सुधारने की बात कही है, लेकिन यह सुधार कब होगा, यह देखना बाकी है। ट्रेन से यात्रा करने वाले लोग कई बार एक-दो दिन का लंबा सफर करते हैं। ऐसे में अगर उन्हें साफ पानी नहीं मिलता या दूषित पानी मिलता है, तो उनकी तबीयत खराब हो सकती है।जब यात्री टिकट के पैसे देते हैं, तो उन्हें साफ पीने का पानी मिलना चाहिए। अगर यह भी ठीक से नहीं मिलता, तो रेलवे को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देने के दावे पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महंगी ट्रेनों को छोड़ दें, तो आम यात्रियों के लिए रेल यात्रा अभी भी कई परेशानियों से भरी है। सीट पर आराम से बैठना, अच्छा खाना और साफ पानी मिलना भी मुश्किल हो जाता है। खासकर अगर ज्यादातर स्टेशनों के नलों से दूषित पानी मिलता है, तो इससे यात्रियों की सेहत को खतरा होता है। ऐसे में सवाल है कि इस लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा?

जेन-अल्फा का उदय: विद्यार्थियों की आवाज़ की नई ताकत

डॉ. विजय गर्ग

कई पीढ़ियों से विद्यार्थियों को मुख्य रूप से सीखने वालों के रूप में देखा जाता रहा है- ऐसे युवा जिनकी मुख्य जिम्मेदारी स्कूल जाना, किताबें पढ़ना, असाइनमेंट पूरा करना और परीक्षाओं की तैयारी करना मानी जाती थी। लेकिन आज बचपन और किशोरावस्था का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। जेनरेशन अल्फा (जेन-अल्फा), जिसमें सामान्यतः 2010 के दशक के शुरुआती वर्षों के बाद जन्मे बच्चों को शामिल किया जाता है, स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया, त्वरित संचार और सूचना तक अभूतपूर्व पहुंच वाली दुनिया में बड़ी हो रही है। इसलिए विद्यार्थी अब केवल ज्ञान प्राप्त नहीं कर रहे, बल्कि सवाल पूछ रहे हैं, नई चीजें रच रहे हैं, अपने विचार साझा कर रहे हैं और अपने आसपास की दुनिया को प्रभावित भी कर रहे हैं।

यह विद्यार्थी की आवाज़ के उभरने का दौर है : जेन-अल्फा तकनीक को दैनिक जीवन का स्वाभाविक हिस्सा मानकर बड़ी हो रही है। जिस सवाल का जवाब खोजने के लिए पहले पुस्तकालय जाना पड़ता था, आज उसके बारे में कुछ ही सेकंड में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। किसी विद्यार्थी के पास कोई विचार है तो वह वीडियो बना सकता है, प्रस्तुति तैयार कर सकता है, ब्लॉग लिख सकता है, डिजिटल प्रोजेक्ट बना सकता है या अपनी बात बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचा सकता है। तकनीक ने युवाओं को वे साधन बहुत कम उम्र में उपलब्ध करा दिए हैं, जो पिछली पीढ़ियों को जीवन के काफी बाद के चरण में मिलते थे। लेकिन जेन-अल्फा की असली ताकत केवल तकनीक नहीं है। असली ताकत सवाल पूछने और जवाब की अपेक्षा रखने वाले आत्मविश्वास में है।आज के विद्यार्थी शिक्षा, करियर, समाज और पर्यावरण से जुड़ी पारंपरिक धारणाओं पर सवाल करने के लिए अधिक तैयार हैं। वे पूछ सकते हैं कि सीखना हमेशा कक्षा की चार दीवारों तक ही सीमित क्यों हो? सफलता को केवल अंकों से ही क्यों मापा जाए? और युवाओं को अपने भविष्य से संबंधित चर्चाओं में भाग लेने के लिए वयस्क होने तक इंतजार क्यों करना चाहिए? इसका यह अर्थ नहीं है कि किसी युवा द्वारा व्यक्त किया गया हर विचार सही ही हो। बोलने के अधिकार के साथ सुनने की क्षमता, जानकारी की पुष्टि करने की आदत, विभिन्न विचारों को समझने की योग्यता और असहमति को स्वीकार करने की परिपक्वता भी आवश्यक है। विद्यार्थी की आवाज़ तभी सार्थक बनती है जब उसके साथ आलोचनात्मक सोच और जिम्मेदारी भी जुड़ी हो। यहां स्कूलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। विद्यार्थियों को केवल निर्देशों का पालन करने वाले निष्क्रिय प्राप्तकर्ता समझने के बजाय, शिक्षण संस्थानों को उन्हें विचार-विमर्श, परियोजनाओं, स्कूल से जुड़े निर्णयों और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर देने चाहिए। विद्यार्थी परिषदें, वाद-विवाद, शोध परियोजनाएं, नवाचार क्लब, पर्यावरण अभियान और सहपाठी-अध्ययन जैसी गतिविधियां कक्षा को ऐसी जगह बना सकती हैं, जहां युवा केवल क्या सोचना है नहीं, बल्कि कैसे सोचना है, यह भी सीखें। डिजिटल दुनिया ने प्रभाव के अर्थ को भी बदल दिया है। किसी विद्यार्थी के कक्षा में दर्शकों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन डिजिटल दुनिया में उसकी पहुंच बहुत बड़ी हो सकती है। यह अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। युवा पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, विज्ञान, दया और सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा कर सकते हैं। लेकिन गलत जानकारी, ऑनलाइन दबाव और बिना सोचे-समझे सामग्री साझा करने से गंभीर समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। इसलिए डिजिटल साक्षरता आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बननी चाहिए। माता-पिता को भी इस पीढ़ी के साथ अपने संबंधों के बारे में नई सोच विकसित करने की आवश्यकता है। केवल इसलिए कि बच्चे कम उम्र के हैं, उनके विचारों को नजरअंदाज करने के बजाय उन्हें सुना जाना चाहिए। सुनने का अर्थ हर बात से सहमत होना नहीं है। इसका अर्थ है ऐसा स्वस्थ वातावरण बनाना, जिसमें बच्चे अपने विचार व्यक्त कर सकें, कठिन सवाल पूछ सकें और सही मार्गदर्शन से सीख सकें। विद्यार्थियों की बढ़ती आवाज़ नेतृत्व की पारंपरिक धारणा को भी चुनौती दे रही है। नेतृत्व अब केवल स्नातक होने या नौकरी शुरू करने के बाद आरंभ होने वाली चीज नहीं रह गई है। जो विद्यार्थी स्वच्छता अभियान चलाता है, किसी स्थानीय समस्या का समाधान खोजने का प्रयास करता है, सहपाठियों की पढ़ाई में मदद करता है, सामुदायिक सेवा में भाग लेता है या किसी महत्वपूर्ण मुद्दे के बारे में जागरूकता पैदा करता है, वह पहले से ही नेतृत्व का अभ्यास कर रहा है। इस प्रकार जेन-अल्फा विद्यार्थी होने के अर्थ को भी नया रूप दे सकती है। भविष्य का विद्यार्थी केवल पाठ्य-पुस्तकों का उपभोक्ता नहीं होगा। वह तेजी से सृजनकर्ता, सहयोगी, समस्या-समाधानकर्ता, संचारक और जिम्मेदार नागरिक बनेगा।लेकिन विद्यार्थी की शक्ति का अर्थ मार्गदर्शन को अस्वीकार करना नहीं होना चाहिए। युवाओं को स्वतंत्रता की आवश्यकता है, लेकिन साथ ही विवेक की भी। उन्हें मंच चाहिए, लेकिन सीमाओं की भी आवश्यकता है। उन्हें आत्मविश्वास चाहिए, लेकिन विनम्रता भी जरूरी है। उद्देश्य ऐसी पीढ़ी तैयार करना नहीं होना चाहिए जो केवल ऊंची आवाज़ में बोले, बल्कि ऐसी पीढ़ी तैयार करना होना चाहिए जो सोच-समझकर बोले और जिम्मेदारी के साथ कार्य करे। जेन-अल्फा की सबसे बड़ी ताकत शायद ज्ञान को कार्रवाई से जोड़ने की क्षमता हो सकती है। यदि शिक्षा उनकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और तकनीकी आत्मविश्वास को सार्थक उद्देश्यों की ओर मोड़ सके, तो विद्यार्थी समाज के शक्तिशाली योगदानकर्ता बन सकते हैं।कक्षा बदल रही है। शिक्षक की भूमिका बदल रही है। तकनीक बदल रही है। और इसके साथ विद्यार्थी की आवाज़ भी बदल रही है।जेन-अल्फा केवल भविष्य के लिए तैयारी नहीं कर रही। वह अपने भविष्य को आकार देने में अभी से भागीदारी कर रही है।

भाषा का पतन और 'संवाद' का संकट

डॉ. संजय वर्मा

गाली अक्सर उस आक्रोश का विकृत रूप होती है जिसे सभ्य भाषा में अभिव्यक्ति का रास्ता नहीं मिलता। गाली का एक बड़ा पक्ष यह भी है कि इस शाब्दिक हिंसा के केंद्र में महिलाएं हैं। शायद यह हमारे पितृसत्तात्मक समाज की एक कुत्सित उपज है, जहां 90 प्रतिशत गालियां महिलाओं को निशाना बनाती हैं। यह हमारे परंपरागत 'स्त्री-रक्षा' और 'गरिमा' के सिद्धांत का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। शब्द केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि चेतना का विस्तार हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में 'वाक ?्' को दिव्य शक्ति और ब्रह्म का स्वरूप माना गया है। ऋग्वेद से लेकर छांदोग्य उपनिषद तक, भाषा की पवित्रता को सृजन और सत्य के आधार के रूप में स्थापित किया गया है। लेकिन मौजूदा दौर में, जब हिंदी-पट्टी से लेकर सार्वजनिक मंचों तक अभद्र भाषा व अपशब्दों की बाढ़ आ गई है, तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से नाता तोड़ लिया है? जब समाज का 'शब्द-कोष' भद्र से अधिक अभद्र की ओर झुकने लगे, तो वह केवल भाषाई गिरावट नहीं, बल्कि गहरे बौद्धिक और नैतिक पतन का संकेत है। हाल ही में देश में पेपर लीक के विरोध में हुए बड़े छात्र प्रदर्शनों के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उन छात्रों को 'माफ करने' का बयान, जिसमें उन्होंने स्वयं को दी गई गालियों का संदर्भ दिया, इस बहस को एक नए मोड़ पर ले आता है। यह घटना सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि हमारे सार्वजनिक जीवन में गालियों के सामान्यीकरण को रेखांकित करती है। जब देश के शीर्ष पदों पर बैठे कुछ लोग और भविष्य की उम्मीद माने जाने वाले छात्र- दोनों एक ही भाषाई धरातल पर आ खड़े हों, तो चिंता स्वाभाविक है। दरअसल, जब सार्वजनिक जीवन में नेता, राजनीतिक कार्यकर्ता, टीवी बहसें और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लगातार आक्रमक भाषा का इस्तेमाल करते हैं, तो युवाओं से शिष्ट भाषा की अपेक्षा करना कुछ हद तक विरोधाभासी हो जाता है। यदि विरोधी को तर्क के बजाय शाब्दिक अपमान से हराना राजनीतिक सफलता का संकेत बना दिया जाए, तो वही संस्कृति धीरे-धीरे विश्वविद्यालय और सड़क तक पहुंचेगी। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया। वहां सबसे संयमित वाक्य अक्सर सबसे कम वायरल होता है और सबसे उत्तेजक वाक्य सबसे अधिक प्रसारित। परिणाम यह कि संवाद की जगह प्रदर्शन, तर्क की जगह ट्रोलिंग और असहमति की जगह अपमान लेता जा रहा है। संकट राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से परे, हमारे संवाद की संस्कृति का है जो 'शब्द ब्रह्म' के बजाय 'शब्द हिंसा' को प्राथमिकता दे रही है। मनोवैज्ञानिक व सामाजिक दृष्टि से गाली देने का एक बड़ा कारण 'दबदबा' साबित करना और विपक्षी को नीचा दिखाना होता है। समाज के ऊंचे-नीचे पायदानों के बीच, हमारे देश में गाली एक तरह का औपनिवेशिक अवशेष है। जिस तरह अंग्रेज अपनी भाषा के जरिए रौब जमाते थे, आज के दौर में एक वर्ग अपनी बात में वजन लाने को गालियां जोड़ता है। एक वर्ग अंग्रेजी में गालियां देता है, तो दूसरा वर्ग स्थानीय अपशब्दों का सहारा लेता है। दुर्भाग्य से, यह गालीखोर की ताकत नहीं, बल्कि शब्दों की दरिद्रता है। वैसे तो गाली का यह प्रचलन देश में चौतरफा है, लेकिन खासतौर से हिंदी-पट्टी में यह अब निजी बातचीत से निकलकर सोशल मीडिया, फिल्मों, ओटीटी प्लेट-फॉर्म व युवा आंदोलनों तक पहुंच गई है। हालांकि, हमें यह भी देखना चाहिए कि गाली पैदा कैसे और कहां से हुई? क्या वह केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कुंठा थी या उसके पीछे व्यवस्था के प्रति जमा हुआ कोई गहरा असंतोष भी था? गाली को स्वीकार करना समाधान नहीं है। लेकिन गाली को सुनकर केवल गाली देने वाले को कठघरे में खड़ा कर देना भी पर्याप्त नहीं है। क्योंकि गाली अक्सर उस आक्रोश का विकृत रूप होती है जिसे सभ्य भाषा में अभिव्यक्ति का रास्ता नहीं मिलता। गाली का एक बड़ा पक्ष यह भी है कि इस शाब्दिक हिंसा के केंद्र में महिलाएं हैं। शायद यह हमारे पितृसत्तात्मक समाज की एक कुत्सित उपज है, जहां 90 प्रतिशत गालियां महिलाओं को निशाना बनाती हैं। यह हमारे परंपरागत 'स्त्री-रक्षा' और 'गरिमा' के सिद्धांत का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। इस पर भी जब महिलाएं भी समानता के नाम पर उन्हीं महिला-केंद्रित गालियों को अपनाती हैं, तो वे अपनी गरिमा को ऊंचा नहीं करतीं, बल्कि उसी पितृसत्तात्मक ढांचे को अनजाने में पोषित करती हैं। यहां यह समझना आवश्यक है कि गाली के सभी रूप समान नहीं होते। हमारी लोक परंपराओं में होली के गीतों या शादी-ब्याह के 'गाली गीतों' में जो अपशब्द हैं, वह मर्यादाहीन नहीं, बल्कि 'लीला' और हास-परिहास का हिस्सा है। ब्रज की लठमार होली या मिथिला-बिहार के विवाह गीतों में प्रयुक्त शब्द 'स्वागत' और 'अपनापन' के प्रतीक हैं। वहां उद्देश्य अपमान करना नहीं, बल्कि सामाजिक बंधन हल्के करना है। इसके उलट, आज जो गालियां हम सुन रहे हैं, वे प्रताड़ना, अपमान और दबदबे के लिए हैं। यह संस्कृति के 'लालित्य' का नहीं, बल्कि 'कलुष' का विस्तार है। भगवद्गीता (अध्याय 17, श्लोक 15) में वाणी की तपस्या का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि शब्द सत्य, प्रिय और हितकारी होने चाहिए। जो शब्द उद्वेग पैदा न करें, वही वास्तविक 'वाक ?्' है। भारतीय ज्ञान परंपरा में 'वाक ?्' को देवी के रूप में वर्णित किया गया है। ऋग्वेद और छांदोग्य उपनिषद के अनुसार, वाणी ही वह शक्ति है जो सृष्टि की रचना करती है और सत्य को प्रकट करती है। श्रीमद्भगवद्गीता (17.15) वाणी की तपस्या का सार बताती है : 'अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत ?्।' अर्थात ?्-ऐसे शब्द जो उद्वेग पैदा न करें, जो सत्य हों, प्रिय हों और हितकारी हों-यही वाणी का तप है। चाणक्य ने भी स्पष्ट किया था कि मधुर वाणी से ही लक्ष्मी प्रसन्न होती है और समाज का निर्माण होता है। हमारी विरासत हमें सिखाती है कि शब्द का प्रयोग शस्त्र की तरह नहीं, बल्कि प्रकाश की तरह होना चाहिए। आज के जननायकों, मीडिया और युवाओं को यह समझने की जरूरत है कि भाषा आत्म-अभिव्यक्ति का साधन है, न कि विभेद का। यदि हम सेना या पुलिस की तरह यह तर्क देते हैं कि 'अपराधियों से निपटने के लिए गाली जरूरी है', तो यह केवल अपनी अक्षमता को छिपाने का बहाना है। क्या हम इतने कमजोर हो गए हैं कि भाषाई अभद्रता के बिना अपनी बात में दम पैदा नहीं कर सकते? असल में, गाली देने वाला व्यक्ति यह भूल जाता है कि 'कर्म' के सिद्धांत के अनुसार, वह नकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन कर रहा है, जो अंततः समाज को खोखला करती है। महात्मा गांधी ने अहिंसा को वाचिक स्तर तक विस्तार दिया था; उनके लिए कठोर शब्द भी एक प्रकार की हिंसा थी। इस भाषाई कलुष को दूर करना रातों-रात संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षा प्रणाली में मानवीय मूल्यों को शामिल करना होगा, मीडिया को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी और नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सच्ची 'कूलनेस' अभद्र वाणी में नहीं, बल्कि शब्दों के संयम और स्पष्टता में है। हमें वापस उन मूल्यों की ओर लौटना होगा जहां 'सत्यं शिवं सुंदरम्' का मंत्र हमारी वाणी में गूंजता था। अन्यथा, गालियों की यह बाढ़ हमारी सांस्कृतिक विरासत को उस मोड़ पर ले आएगी, जहां हम सभ्य समाज कहलाने के अधिकार को खो देंगे। याद रहे, भाषा समाज का आईना होती है। अगर हम आज शब्दों का सम्मान करना भूल गए, तो कल आने वाली पीढ़ी हमसे संवाद के शिष्टाचार की उम्मीद कैसे रखेगी? समय आ गया है कि हम 'गाली' की इस बुरी आदत को ठुकराकर 'शब्द' की पवित्रता को पुनर्स्थापित करें।

(लेखक मीडिया यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।)

Published ,printed and owend by vuppala Sujatha printed at 17-1-469/42/23,Adarsha nagar,Near Unique Gramar School,Saidabad, Hyderabad-500059, Telangana . Published at 17-1-469/42/23,Adarsha nagar,Near Unique Grammar School,Saidabad, Hyderabad-500059, Telangana Editor : chiluka Sudha ph: 9000657700 PRGI NO: TELHIN/2000/04452

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

मुश्किल में न डाल दें ये सेहतमंद आदतें

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये.

अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

खुशबू से महके आपका घर

- अगर आप चाहती हैं कि आपका कमरा बेहतरीन खुशबू से महके तो उसमें तेज महकने वाली खुशबूदार अगरबत्तियां जला दें.
- हल्की खुशबू के लिए कमरे में इत्र वाली मोमबत्तियां जलायी जा सकती हैं. ये मोमबत्तियां बाजार में कई अलग-अलग खुशबुओं में उपलब्ध हैं.
- अगर आपके घर पर पानी की केतली है, तो उसमें कुछ मसाले जैसे-लौंग, इलायची या फिर दालचीनी उबालें. इससे पूरे घर में खुशबूदार मसालों की अच्छी सुगंध भर जायेगी.
- कपूर और समब्रानी भी तेज खुशबू के लिए जाने जाते हैं. इनकी महक न केवल पूरे घर को महका देगी, बल्कि घर के कीड़े-मकौड़े को भी मार देगी.
- एक बूंद यूकेलिप्टस ऑयल को खौलते हुए पानी में डाल देने से भी घर के जितने भी कीटाणु हैं, वे मर जायेंगे और कमरे की हवा भी शुद्ध हो जायेगी.
- आप चाहें तो अपने कमरे के गुलदस्ते में तेज खुशबू वाले फूल भी सजा सकती हैं. इन फूलों की खुशबू पूरे दिन आपके कमरे को महकाती रहेगी.

-गरमी के मौसम में पूरे घर को महकाने का एक आसान उपाय कूलर में इत्र का छिड़काव करना भी है. कूलर के पानी में इत्र छिड़कने से इसकी हवा के साथ खुशबू भी पूरे घर में फैल जाती है.

फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है। फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

क्यों जरूरी है पैरेंट्स मीटिंग

ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए.

रितेश के स्कूल से जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मूड खराब हो जाता है. उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग केवल उसके वीकेंड को खराब करने के लिए ही होती है. शोभा की तरह ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पेरैंट्स मीटिंग में जाना चाहिए. यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है.

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल निशान न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्च पढ़ाई में अव्वल है और उसे आपके ध्यान की बिल्कुल जरूरत नहीं है. अगर आपका बच्चा क्लास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे ला सकता है. जाहिर है आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है.
- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी. इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. अगर स्कूल से बच्चे की कोई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हों.
- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेस्ट पेपर पर आपके ही साइन कर लेता हो. बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें.
- क्या बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों और टीचर से घुल-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने में बैठा रहता है. इन सब जरूरी सवालों के जवाब आपको इसी पेरैंट्स मीटिंग में मिलेंगे.
- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं. अगर टीचर आपके बच्चे पर ठीक से ध्यान न देती हो या फिर कॉपी ठीक से चेक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं.
- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है. इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं.
- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें. इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं. आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पापा से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती हैं.

केंद्र ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ निर्यात पर विंडफॉल टैक्स घटाया, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल) टैक्स में कटौती की है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर टैक्स को पूरी तरह खत्म यानी 'जीरो' कर दिया गया है, जबकि डीजल और जेट फ्यूल पर शुल्क में राहत दी गई है। अधिसूचना के अनुसार डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की दर अब 25.5 रुपये प्रति लीटर से घटकर 24 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, विमान ईंधन के निर्यात पर एसएईडी को घटाकर अब पहले के 22 रुपये प्रति लीटर के मुकाबले 19.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। साथ ही पेट्रोल निर्यात पर शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इससे पहले यह 3.5 रुपये प्रति लीटर था। ऊर्जाएवं उपयोगी सेवाएं वित्त मंत्रालय ने जारी अधिसूचना में कहा कि शुल्क में संशोधन 14 अगस्त से प्रभावी होंगे। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संकट के बीच ईंधन की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था।

अब छोटे करदाता 31 दिसंबर तक कर सकेंगे अघोषित विदेशी संपत्ति की घोषणा करकी तैयारी और योजना निर्माण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना, 2026 (फास्ट-डीएस) लॉन्च किया है। ये योजना 16 अगस्त से शुरू होकर 31 दिसंबर, 2026 तक खुली है, जिसके तहत एक करोड़ रुपये तक की अघोषित विदेशी आय या 5 करोड़ रुपये तक की संपत्ति का खुलासा किया जा सकता है। आयकर विभाग ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति की स्वैच्छिक घोषणा योजना (फास्ट-डीएस) के नियम, 2026' को अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत घोषणाएं 31 दिसंबर, 2026 तक दाखिल की जा सकती हैं। इस योजना के तहत करदाताओं को 30 फीसदी कर के साथ उतनी ही राशि का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने योजना के नियम अधिसूचित करते हुए बताया कि इसके तहत पात्र करदाता ऐसी अघोषित विदेशी संपत्तियों, अघोषित विदेशी आय या ऐसी विदेशी संपत्तियों की घोषणा कर सकते हैं, जिन्हें संबंधित विवरण में घोषित नहीं किया गया है। इसके लिए निर्धारित कर या शुल्क का भुगतान करना होगा। छोट करदाताओं में (छात्रों, युवा पेशेवरों, तकनीकी कर्मचारियों और एनआरआई) शामिल हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की घटी चमक भाषाके संसाधन

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अगले दिन यानी आज देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना के भाव में तेजी आई है। चांदी आज सस्ती हो गई है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,060 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चेन्नई में सोने की कीमत 1,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। दूसरी ओर, चांदी आज 4,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

डीआरआई ने सुपारी के आयात में 2,500 करोड़ रुपये की सीमा शुल्क धोखाधड़ी का किया भंडाफोड़, 09 गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सुपारी आयात में 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की सीमा शुल्क चोरी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक एक बयान में कहा कि डीआरआई की जांच में अब तक अवैध रूप से सुपारी आयात किए जाने से सरकारी राजस्व को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित नुकसान का पता चला है। उसने कहा कि इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी आयात करके उसे गलत तरीके से बांग्लादेश मूल का बताने और दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क का धोखाधड़ी से लाभ लेने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

मप्र को देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करना सरकार का लक्ष्य : मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की बैठक में प्रदेश सरकार का रखा विजन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करना है। आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना, निवेश-अनुकूल नीतियों, प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं और उद्योगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों के माध्यम से प्रदेश में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को निरंतर गति दी जा रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की तीसरी एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में कही। उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश संभावनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर तथा आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना के विकास से जुड़े विषयों पर राज्य सरकार का विजन रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं, उद्योगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से

विकसित की जा रही औद्योगिक परियोजनाओं की जानकारी दी। मध्यप्रदेश द्वारा औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा आधुनिक, विश्वस्तरीय और निवेश-तैयार औद्योगिक अधोसंरचना विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। बैठक में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री तथा एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की अध्यक्ष निर्मला सीतारमण, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी उपस्थित थे। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने औद्योगिक विकास और निवेश से जुड़े विषयों पर अपने-अपने राज्यों का विजन रखा। बैठक में मध्यप्रदेश की औद्योगिक विकास योजनाओं की प्रस्तुति से प्रदेश की निवेश क्षमता और औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में राज्य की प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित किया गया। बैठक में भारत सरकार की भव्या योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा फेज-ढ्ढ, राउंड-ढ्ढ में 11 औद्योगिक पार्कों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। इन प्रस्तावों के तहत कुल 9,047.08 एकड़ क्षेत्र में औद्योगिक अधोसंरचना विकसित करने की योजना है। प्रस्तावित परियोजनाओं की कुल डीपीआर लागत 8,144.35 करोड़ रूपये है। इन औद्योगिक पार्कों को निवेश-तैयार और प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं से युक्त विकसित करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश में नए निवेश आकर्षित होने के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी विस्तार होगा।

आईटीआई को आधुनिक कौशल से जोड़कर रोजगारउन्मुखी बनाना हमारा संकल्पः गौतम टेटवाल

पीएम-सेतु और आईटीआई उन्नयन पर कोलकाता में हुए क्षेत्रीय कौशल मंत्रियों के सम्मेलन में शामिल हुए मप्र के मंत्री टेटवाल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने कहा कि 'हमारा संकल्प प्रत्येक आईटीआई को आधुनिक कौशल से जोड़कर रोजगारोन्मुखी बनाना है।मंत्री टेटवाल कोलकाता में आयोजित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के कौशल मंत्रियों के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा यह सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन की अध्यक्षता कौशल विकास एवं उद्यमशीलता तथा

शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने की। सम्मेलन का मुख्य विषय प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआईज (पीएम-सेतु) योजना था। सम्मेलन में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने प्रदेश के कौशल विकास मॉडल, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण को युवाओं और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप लगातार बेहतर बनाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि मध्य प्रदेश की हर आईटीआई आधुनिक सुविधाओं से युक्त, उद्योगों से जुड़ी, तकनीक-सक्षम और रोजगारोन्मुख बने। राज्यमंत्री टेटवाल ने कहा कि पीएम-सेतु के माध्यम से आईटीआई के उन्नयन और कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई मजबूती मिलेगी। हमारा लक्ष्य ऐसा कौशल तंत्र तैयार करना है, जिसमें युवा केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला और विश्वस्तरीय कुशल नागरिक बने। कौशल विकास की योजनाओं को जिला स्तर के आर्थिक अवसरों, उभरते क्षेत्रों, नए जमाने के ट्रेड और युवाओं की रोजगार आकांक्षाओं से जोड़ने पर भी मध्य प्रदेश विशेष रूप से काम कर रहा है।

टेक्नोक्रेट्स प्लाज्मा का आईपीओ खुला, 21 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्लाज्मा कटिंग, वेल्डिंग और कस्टमाइज्ड ऑटोमेशन सिस्टम का निर्माण करने वाली कंपनी टेक्नोक्रेट्स प्लाज्मा सिस्टम्स लिमिटेड का 60.98 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 18 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन इस आईपीओ को 42 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 125 रुपये से लेकर 132 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,64,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.20 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.42 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

नौसेना को लीज मिलेंगे एमक्यू-9बी सी गार्डियन विमान,1,943 करोड़ रुपए का करार

दरअसल भारत के लिए हिंद महासागर क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है।

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी और खुफिया क्षमताओं को और मजबूत मिलने जा रही है। इस दिशा में रक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक. के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया। इस समझौते के तहत भारतीय नौसेना के लिए 2, एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम लीज पर लिए जाएंगे। ये एयरक्राफ्ट के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की निगरानी क्षमता बढ़ेगी। भारतीय नौसेना इसकी मदद से पूरी क्षेत्र पर विशेष नजर बनाए रख सकेगी। यह दोनों एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट 30 महीने की अवधि

के लिए भारतीय नौसेना को लीज पर मिलेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते की कुल कीमत करीब 1,943 करोड़ रुपए है। एमक्यू-9बी सी गार्डियन अत्याधुनिक प्रणालियों, आधुनिक सेंसर और उन्नत पेलोड से लैस हैं। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इन विमानों की सबसे बड़ी विशेषता समुद्री क्षेत्र के बड़े हिस्से में लगातार खुफिया, निगरानी और टोही क्षमता उपलब्ध कराना है। इसके जरिए भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में काफी लंबी अवधि तक समुद्री गतिविधियों पर नजर रख सकेगी।

अमेरिकी कंपनी के साथ हुए समझौते पर 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक (अधिग्रहण) ए. अनबरासु की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक एमक्यू-9बी सी गार्डियन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह लंबे समय तक हवा में रहकर समुद्री क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। इससे समुद्र में जहाजों की आवाजाही, संदिग्ध गतिविधियों और अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रमों की निगरानी में नौसेना को मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएम इंटर्नशिप योजना के उम्मीदवारों से किया संवाद सरकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के उम्मीदवारों और लाभार्थियों से संवाद किया। उन्होंने उम्मीदवारों को इस योजना की विशेषता के बारे में विस्तार से बताया। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के उम्मीदवारों और लाभार्थियों से बातचीत किया। वित्त मंत्री ने संवाद के दौरान कहा कि यह योजना उद्योग जगत की जरूरतों और युवाओं के कौशल के बीच के अंतर को पाटने के लिए बनाई गई है, जिससे युवाओं को कॉर्पोरेट कार्य व संस्कृति का व्यावहारिक अनुभव मिल सके। वित्त सीतारमण ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि पीएमआईएस का मुख्य मकसद उद्योग की उम्मीदों और युवाओं द्वारा शिक्षा के ज़रिए हासिल किए गए स्किल्स के बीच के अंतर को कम करना है। वित्त मंत्री ने बताया कि एक तरफ उद्योग की अपेक्षाएं हैं, जबकि दूसरी तरफ छात्रों का कौशल है। सीतारमण बातचीत के दौरान बताया कि काम का

व्यावहारिक अनुभव मिलने से इंटर्न काम की जगह पर उम्मीदों, संवाद करने के तौर-तरीके, शिष्टाचार, ज़िम्मेदारी और सफल होने के लिए ज़रूरी व्यावहारिक स्किल्स को समझते हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना इस अंतर को पाटने का प्रयास करती है, क्योंकि उम्मीदवार इंटर्नशिप करते हुए यह जान सकेंगे कि कंपनियों की क्या अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से उम्मीदवार अपनी योग्यताओं के अलावा अतिरिक्त कौशल भी हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अंतिम वर्ष के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र भी इस योजना के पायलट चरण में भाग ले सकते हैं। प्रचारअभियान और चुनाव उन्होंने कहा कि यह इंटर्नशिप आपको काम की दुनिया के लिए तैयार होने का मौका देती है और कुछ मामलों में, उसी कंपनी में आगे के मौकों के दरवाज़े भी खोलती है। सीतारमण ने कहा कि हमारी इंटर्नशिप का यही मूल उद्देश्य है और आप जैसे छात्रों के साथ इसे पूरा किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश ने उद्योग और निवेश के क्षेत्र में बनाई मजबूत पहचान : मुख्यमंत्री

निवेशकों का विश्वास जीतने का परिणाम, बड़ी संख्या में मध्य प्रदेश आ रहे निवेशक

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उद्योग एवं निवेश के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने मजबूत पहचान बनाई है। राज्य में निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है और सरकार ने उद्योग जगत का विश्वास जीतने में सफलता प्राप्त की है। यही विश्वास आज बड़ी संख्या में निवेशकों को मध्य प्रदेश की ओर आकर्षित कर रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को बेहतर अधोसंरचना, सुगम प्रक्रियाएं और अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो, जिससे निवेश प्रस्ताव तेजी से धरातल पर उतरें। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की तीसरी बैठक में सहभागिता की। बैठक में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिरी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी केंद्रीय मंत्रियों, राज्यों के मुख्य मंत्रियों, उद्योग मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच पर मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिली है और मध्य प्रदेश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास की दिशा में कई बड़े और महत्वपूर्ण प्रस्ताव सामने आए हैं। उन्होंने विशेष रूप से पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर, 2025 को भूमि पूजन किया गया। यह परियोजना मध्य प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे प्रदेश में टेक्सटाइल क्षेत्र को नई गति मिलने के साथ किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए व्यापक अवसर सृजित होंगे।

कोटेदारों ने योगी सरकार को दिया धन्यवाद, बोले-पहले लोग संदेह करते थे, अब देते हैं सम्मान

प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं को मिलेगा बढ़े हुए लाभांश का लाभ

जीपीएस वाले ट्रक से राशन आता है, लाभार्थी को मिल रहा पूरा हकः कोटेदार

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी सौगात देते हुए उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में 35 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद प्रदेश भर के कोटेदारों में खुशी का माहौल है। कोटेदारों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया है, बल्कि राशन वितरण व्यवस्था में डिजिटल तकनीक लागू कर उनके सम्मान को भी बढ़ाया है जबकि पहले लोग संदेह की नजर से देखते थे।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्जिन मनी में 35 रुपये की वृद्धि में केंद्र सरकार की ओर से 10 रुपये और राज्य सरकार की ओर से 25 रुपये की वृद्धि शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने लाभांश में 25 रुपये की और वृद्धि के लिए भारत सरकार को पत्र भी लिखा है।

डिजिटल तकनीक आने के बाद पारदर्शिता बढ़ी

मोहनलालगंज निवासी कोटेदार दिनेश चंद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री की पहल की सराहना करते हुए कहा कि कमीशन 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये किए जाने से कोटेदारों को काफी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कोटेदारों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राशन वितरण व्यवस्था में डिजिटल तकनीक आने के बाद पारदर्शिता बढ़ी है। पहले कोटेदारों को अक्सर संदेह की नजर से देखा जाता था, लेकिन अब ई-पॉस मशीन और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण व्यवस्था में पारदर्शिता आई है और कोटेदारों का सम्मान बढ़ा है। दिनेश चंद्र ने कहा कि डिजिटल व्यवस्था ने राशन वितरण में

ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की है। इससे आम लोगों को पूरा राशन मिल रहा है। माल ब्लॉक के कोटेदार राकेश तिवारी ने कहा कि पहले कमीशन काफी कम था और राशन की आपूर्ति को लेकर भी कई तरह की दिक्कतें आती थीं। गोदाम से पर्याप्त राशन नहीं मिलने के कारण वितरण प्रभावित होता था। अब सिंगल स्टेज डिलीवरी व्यवस्था लागू होने से राशन सीधे उचित दर की दुकान तक पहुंच रहा है। इससे कोटेदारों को पूरा राशन मिल रहा है और लाभार्थियों को भी निर्धारित मात्रा में राशन देने में परेशानी नहीं होती। उन्होंने कहा कि मौजूदा महंगाई को देखते हुए कमीशन में वृद्धि जरूरी थी। योगी सरकार ने कोटेदारों की स्थिति को समझते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है। राकेश तिवारी ने उम्मीद जताई कि भविष्य में कमीशन में और वृद्धि की जाएगी। गोमती नगर निवासी कोटेदार आरके कन्नौजिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोटेदारों की मांग सुनी और कमीशन बढ़ाकर बड़ी राहत दी है। पहले राशन की आपूर्ति को लेकर दिक्कत होती थी, लेकिन अब सरकार की ओर से ट्रक के माध्यम से राशन सीधे दुकान तक पहुंचाया जा रहा है। ट्रकों में जीपीएस की व्यवस्था होने से राशन की निगरानी भी संभव हो रही है और पूरा राशन दुकान तक पहुंच रहा है। काकोरी के कोटेदार आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि पहले राशन वितरण व्यवस्था में होने वाली गड़बड़ियों का ठीकरा कोटेदारों पर फूटता था। इससे ईमानदारी से काम करने वाले कोटेदार भी बदनाम होते थे। अब पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने के कारण पारदर्शिता बढ़ी है।

छग में शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 1.15 करोड़ की ठगी करने वाले चार अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरफ्तार

एजेंसी

रायपुर। साइबर थाना रायपुर पुलिस की टीम ने 'ऑपरेशन साइबर शील्ड' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर 1.15 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले चार अंतरराज्यीय साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से की गई है । रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के नेतृत्व में रायपुर रेंज पुलिस की विशेष टीम ने 'ऑपरेशन साइबर शील्ड' के तहत कार्रवाई करते हुए एक पत्रकार वार्ता में इस बड़ी सफलता का खुलासा किया। आरोपितों को तकनीकी साक्ष्य और बैंक ट्रांजेक्शन ट्रैक करके गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से हिरासत में लिया गया था। पुलिस के अनुसार तीन अलग-अलग मामलों में पीड़ितों से कुल 1.15 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। बताया गया है कि आरोपित फर्जी कंपनियां बनाकर, फर्जी सिम और बैंक खातों का इस्तेमाल करते हुए शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपितों के उपयोग किए गए बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के संबंध में देश के अलग-अलग राज्यों के 20 से अधिक थानों और साइबर सेल में शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंकिंग ट्रांजेक्शन के आधार पर आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहले मामले में पलारी थाना क्षेत्र में पीड़ित डागेश चंद्राकर से 69 लाख रुपये की ठगी की मुख्य शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले में थाना पलारी में अपराध क्रमांक 383/24, धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि शुभम चौहान और साबले प्रेम विश्वास ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी कंपनी और फर्जी सिम का इस्तेमाल किया।

एक नजर

द हंड्रेड में सट्टेबाजी का प्रयास विफल, मैच की जानकारी बाहर भेजने वाले पकड़े गये

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसी)। इंग्लैंड में खेली जाने वाली लीग द हंड्रेड में मैच फिक्सिंग का एक प्रयास अधिकारियों ने विफल कर दिया। ये मामला यहां लंदन स्पिरिट और एमआई लंदन के बीच हुए मैच का है। यहां भष्ट्राचार रोधी अधिकारियों ने एक ऐसे जोड़े को पकड़ा गया है जो मैदान की जानकारी बाहर दे रहा था। यह जोड़ा पिच-साइडिंग या कोर्ट-साइडिंग के नाम से जानी जाने वाली तकनीक का इस्तेमाल कर रहा था, जिसमें लाइव एक्शन और टीवी प्रसारण के बीच के कुछ सेकंड के अंतर का फायदा उसे मिल रहा था। आमतौर पर यह अंतर 12 सेकंड तक का हो सकता है, जिससे सट्टेबाजों को बाजार से आगे रहने और दांव लगाने का समय मिल जाता है।

यह पहली बार नहीं था जब इस जोड़े को इस गतिविधि में लिप्त पाया गया हो। इस हफ्ते की शुरूआत में सदर्न ब्रेव के मैच के दौरान लॉर्ड्स और फिर एजबेस्टन में टी20 ब्लास्ट फाइनल डे पर भी इन्हें देखा गया था, और दोनों ही बार अधिकारियों ने इन्हें मैदान से बाहर निकाल दिया था।

हालांकि, लॉर्ड्स में ये तीसरे पक्ष के टिकटों का उपयोग करके प्रतिबंध से बचने में कामयाब रहे। गौरतलब है कि मैदान से इस तरह की जानकारी बाहर भेजना, भले ही कानूनी तौर पर अवैध न हो, लेकिन यह स्टेडियम के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है और पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाती है। इस जोड़े द्वारा दूर तक लाइव जानकारी पहुंचाना, अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक जाने-पहचाने चालाक तरीके के तौर पर पहचाना गया है।

कमेंट्री बॉक्स में कार्तिक और मांजरेकर में हुई बहस, वीडियो हुआ वायरल

गॉल, 18 अगस्त (एजेंसी)। यहां भारत और मेजबान श्रीलंकाई टीम के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन पूर्व क्रिकेट से कमेंटेटर बने मुरली कार्तिक और संजय मांजरेकर के बीच जमकर बहस हुई। जिससे वहां मौजूद अन्य लोग हैरान हो गये। इसका एक वीडियो भी आया है। इस दौरान कार्तिक ने मांजरेकर पर व्यंग्य कसते हुए कहा, मेरे और यहां मौजूद सभी लोगों की ओर अनुरोध है कि आप जो पाउट बनाते हैं, उसकी वजह से बातें समझ पाना मुश्किल हो जाता है। कृपया करके पाउट को नियंत्रण में लाने की कोशिश कीजिएगा। यह टिप्पणी टीवी पर की गई थी, जिसने तुरंत दर्शकों का ध्यान खींचा।

इससे मांजरेकर भी भड़क गये और उन्होंने तुरंत जवाब देते हुए कैमरामैन से कैमरे को पहली बार कमेंट्री कर रहे अजिंक्य रहाणे की तरफ मोड़ने को कहा। मांजरेकर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, क्या हम कैमरे को किसी दूसरे व्यक्ति अजिंक्य रहाणे की तरफ घुमा सकते हैं, क्योंकि उनसे बात करना ज्यादा सुखद होता है और उनका चेहरा भी ज्यादा अच्छा दिखता है।

मामला तब और आगे बढ़ गया जब मांजरेकर ने मुरली कार्तिक पर एक और व्यक्तिगत टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा, शीशे में देखने से एक प्रोत्साहन मिलता है, लेकिन मैं समझता हूं कि आपके लिए यह अधिक प्रेरणादायक नहीं होगा। यह टिप्पणी साफ तौर पर कार्तिक की शारीरिक बनावट पर निशाना साधने वाली थी, जिसने बहस एक सीमा लांघती दिखी। इस तीखी नोकझोंक के बीच ही मांजरेकर ने इस बात को माना कि यदि वे और मुरली कार्तिक ऐसे ही बहस करते रहेंगे तो दोनों ही कुछ ज्यादा ही आगे बढ़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी ये बहस सोशल मीडिया पर खूब धूम मचाएगी, और असल में ऐसा हुआ भी। इस पूरे घटनाक्रम का जमकर वायरल हुआ और लोगों ने इसपर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दी हैं।

गॉल टेस्ट में भारतीय टीम की जीत तय नजर आ रही

गॉल, 18 अगस्त (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को यहां मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत मिलना तय नजर आ रहा है। इसका का रण है कि भारतीय टीम के पास पहली पारी के आधार पर 178 रनों की बढ़त है। ऐसे में अगर वह दूसरी पारी में 122 रन और बना लेती है तो उसकी कुल बढ़त 300 रन हो जाएगी और अपने घरेलू मैदान में श्रीलंकाई टीम अभी भी इतना बड़ा लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी है। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाये थे। जवाब में, श्रीलंका की टीम ने सोनल दिनुशा के शतक के बाद भी अपनी पहली पारी में 284 रन ही बनाये। टेस्ट क्रिकेट में गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम पर सबसे बड़ा सफल रन चेज 342 रनों का रहा है, जिसे साल 2022 में पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया था। इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए भारतीय टीम को दूसरी पारी में 164 रन और बनाने होंगे।। गॉल के मैदान पर इससे बड़ा लक्ष्य कभी हासिल नहीं किया जा सका है, जो भारतीय टीम की जीत को लगभग निश्चित कर देगा। खास बात यह है कि श्रीलंका अपने घरेलू मैदान गॉल पर कभी 300 या उससे ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई है। उनका सबसे बड़ा लक्ष्य 268 रनों का है, जो उन्होंने 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। भारतीय टीम की दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल के पास एक निजी उपलब्धि हासिल करने का भी मौका होगा। अपने टेस्ट करियर में अब तक 75 पारियों में 2985 रन बना चुके गिल को 3000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए सिर्फ 15 रनों की जरूरत है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट के लिए वेदराल्ड की जगह रेनशॉ को शामिल किया

साउथ मैके। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली करारी हार के बाद अपनी टीम में बदलाव किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपनी टीम में एक बड़ा बदलाव करते हुए 22 अगस्त से यहं शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में अनुभवी मैट रेनशॉ को शामिल किया है। वहीं पहले टेस्ट में असफल रहे सलामी बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को बाहर कर दिया है। वेदराल्ड पहले टेस्ट में रन बनाने में विफल रहे थे। इस बल्लेबाज ने अपनी पहली पारी में केवले 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी में वह खाता भी नहीं खोल पाये थे। वेदराल्ड के स्थान पर ही रेनशॉ की टीम में वापसी हुई है। रेनशॉ के दूसरे टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ पारी शुरू करने की संभावना है। उनका चयन ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए किया गया है। रेनशॉ ने अब तक 14 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में 1 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 645 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 184 रन रहा है।

बार्सिलोना के स्टार फुटबॉलर फेरान अब पीएसजी से खेलते दिखेंगे

मैड्रिड, 18 अगस्त (एजेंसी)। विश्वप कप में स्पेन की टीम को जीत दिलाने वाले बार्सिलोना के स्टार फुटबॉलर फेरान टोरेस अब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ सकते हैं। बार्सिलोना अपने फारवर्ड टोरेस को करीब 50 मिलियन यूरो में फ्रांसीसी क्लब को बेचने के लिए तैयार है। इस मामले में दोनों क्लबों के बीच बातचीत पूरी हो गयी और अब केवल जरूरी औपचारिकताएं ही बची हैं। बताया जा रहा है कि फेरान का पीएसजी के साथ पांच साल का करार है। इस स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए अभी मेडिकल जांच और कुछ कागजी कार्रवाई होनी बाकी है। गौरतलब है कि टोरेस को जनवरी 2021 में मैनचेस्टर सिटी ने 55 मिलियन यूरो से अधिक की रकम लेकर बार्सिलोना को बेचा था। उसके बाद से ही वह स्पेनिश क्लब के साथ बने हुए हैं।

हालांकि, क्लब में उनका सफर हमेशा एक प्रमुख शुरूआती खिलाड़ी के तौर पर नहीं रहा। हांसी फ्लिक के 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद, टोरेस को मुख्य रूप से रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के विकल्प के तौर पर सेंटर फारवर्ड की भूमिका में उपयोग किया गया। इसके बावजूद, उन्होंने सीमित अवसरों का पूरा लाभ उठाया भुनाया है और कई मुकाबलों में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतरकर टीम के लिए निर्णायक साबित हुए। पिछले दो सत्रों में, उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 94 मैचों में 40 गोल किए हैं। उनकी गति, गेंद पर नियंत्रण और आक्रमण में कई स्थानों पर खेलने की क्षमता ने उन्हें बार्सिलोना के लिए एक उपयोगी खिलाड़ी बनाए रखा।

टोरेस ने हाल ही में स्पेन की विश्व कप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। पिछले महीने स्पेन और अर्जेंटीना के बीच हुए विश्व कप फाइनल में उन्होंने अतिरिक्त समय में स्पेन के लिए निर्णायक गोल दागा था, जिससे स्पेन ने दूसरी बार विश्व कप खिताब जीता। राष्ट्रीय टीम के लिए इतनी बड़ी भूमिका निभाने के कुछ ही समय बाद उनका क्लब बदलना फुटबॉल जगत में खासा चर्चा का विषय बन गया है। टोरेस ने अपने फुटबॉल करियर की शुरूआत वालेंसिया की युवा व्यवस्था से की थी, जिसके बाद वह मैनचेस्टर सिटी और फिर बार्सिलोना का हिस्सा बने। अब पेरिस सेंट-जर्मेन में उनका जाना उनके करियर को एक नई महत्वपूर्ण दिशा दे सकता है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में नजर आयेगे वॉर्नर युवराज और विलियर्स सहित कई स्टार बल्लेबाज

सिडनी, 18 अगस्त (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज एबी डी विलियर्स और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो सहित कई दिग्गज क्रिकेटर 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) के तीसरे सत्र में खेलते नजर आयेंगे। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर इन बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल हो रहे हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। वहीं लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्रॉफी जीती थी। इस बार टूनार्मेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूनार्मेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

नितीश राणा ने मां को समर्पित किया अर्धशतक

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज नितीश राणा अपनी दिवंगत मां को याद करते हुए भावुक हो गये। नितीश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ लगाये अर्धशतक को भी अपनी मां को समर्पित किया। वह अर्धशतक लगाने के बाद अपने अपने आंसू नहीं रोक पाए और अपनी मां को याद करते हुए आसमान की ओर देखने लगे। इस दौरान मैदान पर मौजूद साथी खिलाड़ियों ने उन्हें संभाला। नितीश अर्धशतक लगाने के बाद आसमान की ओर खेलने लगे। मानो अपनी मां से बात कर रहे हों तभी उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। नितीश की मां का इसी माह लंबी बिमारी के बाद निधन हो गया था। ऐसे में नितीश के लिए यह पारी अपने गहरे दुख और अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति थी। नितीश ने इससे पहले के एक मैच में अपनी मां के नाम की जर्सी पहनकर मैच खेला था।

यशस्वी के बदले पंड्या को शामिल कर सकती है रॉयल्स

मुम्बई, 18 अगस्त (एजेंसी)। बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर किसी और टीम से खेलते दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि रॉयल्स यश्स्वी को आईपीएल 2027 से पहले रिलीज कर सकता है। ये भी अटकलें हैं कि वह मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड कर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को शामिल कर सकता है। ऐसे में यशस्वी मुम्बई के पास चले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसर राजस्थान प्रबंधन और यशस्वी के बीच मतभेद है। इसका सबसे बड़ा कारण रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना है। हालांकि, इस पूरे मामले पर रॉयल्स और यशस्वी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में यशस्वी ने 16 मैचों में 427 रन बनाए थे, जिसमें उनका औसत 30.50 और स्ट्राइक रेट 152.50 रहा। इस सत्र में वे केवल तीन अर्धशतक ही लगा सके। दूसरी ओर उनके सलामी जोड़ीदार वैभव सूर्यवंशी ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। जिससे यशस्वी के प्रदर्शन पर किसी का ध्यान नहीं गया। का प्रदर्शन थोड़ा फीका पड़ गया। वहीं रॉयल्स को इस समय एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की सख्त जरूरत है। पिछले साल भी उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ एक बड़े ट्रेड में संजू सैमसन के बदले सैम करन और रवींद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, सैम करन चोट के कारण उस सीजन का एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए थे। ऐसे में, हार्दिक पंड्या जैसा एक अनुभवी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर उनकी इस जरूरत को पूरा करने में सक्षम हो सकता है। पंड्या के ट्रेड को लेकर पहले भी कई खबरें सामने आ चुकी हैं। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें भी हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने पर विचार कर रही हैं। मुंबई इंडियंस के लिए पंड्या की कप्तानी में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। 2020 में अपना आखिरी आईपीएल टाइटल जीतने के बाद से टीम फाइनल में नहीं पहुंची है। मुंबई ने आईपीएल 2024 के लिए हार्दिक को गुजरात टाइटंस से ट्रेड के जरिए हासिल किया था।

रूट को कप्तान बनाया जाना सही : ब्रूक

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को कप्तान बनाये जाने को एक सही कदम बताया है। बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद रुट को कप्तानी दी गयी जबकि ब्रूक भी कप्तानी के दावेदार थे। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड क्रिकेट एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और इस बदलाव के दौरान रूट को कप्तानी की जिम्मेदारी दिये जाने से टीम को लाभ होगा। इंग्लैंड टीम 19 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सामना करने के लिए तैयार है, जिसमें रूट एक बार फिर कप्तानी की कमान संभालेंगे। ब्रूक जून में स्टोक्स के संन्यास के समय उप-कप्तान थे, उन्होंने रूट को फिर से कप्तान बनाए जाने के फैसले का स्वागत किया। ब्रूक ने कहा, रूट को कप्तान बनाने का फैसला एकदम सही है। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि वह क्या कर सकते हैं। वह निश्चित रूप से इस काम को संभालने के लिए सबसे सही व्यक्ति हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। सीमित ओवरों की टीम के कप्तान ब्रूक ने टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरों पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां टेस्ट में उनका औसत क्रमशः 84.10 और 75.44 रहा पर अक्टूबर 2025 में एक नाइटक्लब में हुए झगड़े को बाद उनका करियर कठिन दौर में फंस गया। इस घटना पर ब्रूक ने कहा, यह एक कठिन दौर था, खासकर जब मैं घर पर था और मीडिया का सामना करने की तैयारी कर रहा था। मुझे लगता है कि उस दौरान मैंने जो जज्बा दिखाया। मैदान पर जाकर अच्छा प्रदर्शन करना और सफेद गेंदब टीम की अच्छी तरह से कप्तानी करना। उस पर मुझे खुद गर्व है। मैं यह नहीं कहना चाहता कि इससे मुझे मदद मिली पर इसने मुझे एहसास कराया कि इंग्लैंड का कप्तान होना कितनी बड़ी बात है।

गॉले में भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के यश्स्वी जायसवाल को आउट करने पर उत्साहित मेजबान गेंदबाज असिथा फनाडी।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में जीत के साथ की शुरूआत

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने यहां खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में जीत के साथ शुरूआत की है। सिंधु ने महिला एकल में अपने पहले ही मुकाबले में आयरलैंड की सोफिया नोबल को सीधे सेटों में 21-7, 21-11 से हराकर राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया है। इस मुकाबले में सिंधु अपनी प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी रहीं। अब अगले दौर में सिंधु की टक्कर कनाडा की वेन यू झांग से होगा।

सिंधु के सामने, सोफिया टिक नहीं पायी। सोफिय के लिए, मैच की शुरूआत कठिन रही। सिंधु के आक्रामक खेल का वह मुकाबल नहीं कर पायीं। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू में ही 8-0 की बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ियों के अनुभव का अंतर कोर्ट पर साफ तौर पर झलक रहा था। सिंधु ने रैलियों पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और सोफिया को कोईअवसर नहीं दिया।

कपिल हुए नाराज, बोले पहले ही बता देते कि फोटो के लिए बुलाया है

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें वह स्वतंत्रता दिवस समरोह में जारी अव्यवस्था पर नाराज दिखे। ये वीडियो एक स्कूल का है जिसमें कपिल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है क्योंकि कपिल आम तौर पर बेहद शांत रहते हैं और वह पहली बार किसी बात को लेकर गुस्से में दिखे। इस समारोह में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करने पहुँचे कपिल आयोजन की अव्यवस्था पर भड़क गये। मंच से ही उन्होंने खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि किसी स्कूल में ऐसा होना बेहद चिन्ताजनक है। उन्होंने यहां पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य पर भी चिन्ता जतायी।

कपिल ने सीधे तौर पर कार्यक्रम के आयोजकों को व्यवस्था की कमी के लिए फटकार लगा रहे हैं। उन्होंने उचित व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया और शिक्षकों के प्रति अपने सम्मान को भी व्यक्त किया। उनके शब्दों में गुस्सा साफ झलक रहा था जब उन्होंने कहा, यहां कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसा कैसे हो सकता है? शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। अगर आपने मुझे सीधे-सीधे बता दिया होता कि मैं सिर्फ फोटो खिंचवाने आ रहा हूं, तो मैं अपने कार्यक्रम में आपके लिए अलग से समय निकाल लेता। कुछ उचित नियम और व्यवस्थाएं होनी चाहिए।

कपिल की यह टिप्पणी केवल उस विशेष कार्यक्रम की अव्यवस्था तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह आयोजन प्रबंधकों द्वारा सामान्य तौर पर बरती जाने वाली लापरवाही और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के समय एवं सम्मान के प्रति अनादर की ओर भी इशारा करती है। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षकों के महत्व पर जोर दिया, यह रेखांकित करते हुए कि एक अव्यवस्थित वातावरण शिक्षा के माहौल और शिक्षकों के प्रयासों को कैसे कमजोर कर सकता है। उनके अनुसार, शिक्षकों का सम्मान और उनके कार्यक्षेत्र में उचित व्यवस्था का होना अत्यंत आवश्यक है।

इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तत्काल और व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। दर्शकों ने कपिल देव की बेबाक प्रतिक्रिया और उनकी स्पष्टवादिता की जमकर सराहना की है। कई यूजर्स ने आयोजनों में व्याप्त अव्यवस्था पर खुलकर बोलने के लिए उनकी प्रशंसा की, जबकि अन्य लोगों ने शिक्षकों के महत्व पर उनकी टिप्पणियों का समर्थन किया।

आईपीएल में खिलाड़ियों को ट्रेड किये जाने की रकम का खुलासा करें फ्रैंचाइजी : गावस्कर

मुम्बई, 18 अगस्त (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि आईपीएल में ट्रेड के जरिये खिलाड़ियों के एक टीम से दूसरे में जाने की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिये। गावस्कर के अनुसार ऐसा करने से अन्य आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भी यह पक्का करने में मदद मिलेगी कि सभी टीमें लीग निर्धारित सैलरी कैप का सही ढंग से पालन कर रही हैं या नहीं। गावस्कर ने कहा वर्तमान में, किसी खिलाड़ी के ट्रेड करार पर उसकी डील की रकम की जानकारी केवल दोनो ही फ्रेंचाइजियों, खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को ही रहती है। अन्य टीमों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं होती। उन्होंने कहा कि इसी कारण दूसरी टीमों को यह पता नहीं चलता कि किसी भी फ्रेंचाइजी ने अपने लिए तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं। गावस्कर ने कहा कि ट्रेड डील केवल दो पार्टियों का मामला नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी लीग पर पड़ता है। ऐसे में विश्व की सबसे बड़ी टी20 लीग होने के कारण आईपीएल को अपनी कार्यप्रणाली में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता बनाए रखना चाहिये। पूर्व कप्तान का मानना है कि ट्रेड से जुड़ी हर जानकारी को सार्वजनिक करने से लीग की विश्वसनीयता बढ़ेगी और किसी भी तरह के सवाल या संदेह नहीं रहेंगे। उनका मानना है कि यदि सैलरी कैप का सही से पालन हो रहा है, तो इस जानकारी को छिपाने का कोई मतलब नहीं है। गौरतलब है कि हाल के समय में आईपीएल ने कई बड़े खिलाड़ियों के ट्रेड्स देखे हैं, जो इस मामले की प्रासंगिकता को और बढ़ाते हैं। 2026 सीजन से पहले संजू सैमसन का राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड हुआ था, जिसकी मौजूदा लीग फीस 18 करोड़ रुपए बताई गई। इसी तरह, 2026 सीजन समाप्त होने के बाद, ऋषभ पंत और कुलदीप यादव जैसे प्रमुख खिलाड़ियों का भी ट्रेड हुआ।

सेट पर फरहाना भट्ट पर भड़कीं

अविका गौर

फिर सोशल मीडिया पर मांगी माफी

कलर्स टीवी का रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है. एक तरफ जहां सितारे खतरनाक स्टंट्स से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ टास्क के दौरान की आपसी खींचतान और तनाव भी अब खुलकर सामने आ रहा है. हाल ही में शो के सेट पर टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस अविका गौर और फरहाना भट्ट के बीच ऐसी ही बहस देखने मिली. दरअसल, टास्क के दौरान अविका गौर को फरहाना भट्ट की टीम में शामिल किया गया. टीम में आते ही फरहाना ने बड़े प्यार से अविका का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी. लेकिन अविका उस वक्त किसी बात से बेहद खफा थीं.

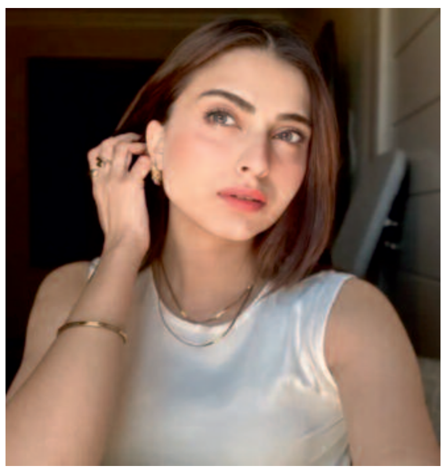

फरहाना की शुभकामनाओं पर अविका ने तुरंत तीखे अंदाज में तंज कसते हुए कहा, आप, आप तो चाहती ही नहीं थीं कि मैं इस टीम में आऊं.अविका के इस तीखे रिएक्शन के बाद सेट का माहौल एकदम असहज हो गया और उनका गुस्सा साफ तौर पर फरहाना पर निकलता दिखा.

सोशल मीडिया पर मांगी माफी

अविका गौर उन कलाकारों में से हैं जो अपनी गलती मानने से कभी पीछे नहीं हटतीं. बाद में जब अविका ने खुद के इस बर्ताव पर गौर किया, तब उन्हें अपनी गलती का तुरंत अहसास हुआ. उन्होंने बिना देर किए सोशल मीडिया पर फरहाना के नाम एक खुला माफीनामा शेयर किया. अविका ने लिखा कि उन्हें खुद का वो अंदाज बिल्कुल पसंद नहीं आया. फरहाना को टैग करते हुए अविका ने कहा, मुझे सच में अपना वो बर्ताव बिल्कुल अच्छा नहीं लगा. दरअसल मैं टीम से नाराज थी और वो सारा फ्रस्ट्रेशन गलती से आप पर निकल गया, जो बिल्कुल सही नहीं था. आई एम सॉरीज लॉट्स ऑफ लव. सोशल मीडिया पर फैंस अविका की इस ईमानदारी और खुले दिल से गलती कबूल करने के अंदाज की खूब तारीफ कर रहे हैं.

सितारों से सजा है ये सीजन

'खतरों के खिलाड़ी' का ये 15वां सीजन काफी धमाकेदार है. अविका गौर और फरहाना भट्ट के साथ-साथ इस बार शो में गौरव खन्ना, करण वाही, ऋत्विक धनजानी, रुबीना दिलैक, जैस्मिन भसीन, अविनाश मिश्रा, विशाल आदित्य सिंह, रुहानिका धवन, शगुन शर्मा और सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी (ह्हह्4) जैसे बड़े सितारे अपने डर का सामना करते नजर आ रहे हैं.

सैफ, सोहा और सबा किस धर्म को मानते हैं? मां शर्मिला टैगोर ने बदला था रिलीजन, बेटी ने खोले बड़े राज़

अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने पूर्व क्रिकेटर और पटौदी के नवाब मंसूर अली खान से शादी की थी. दोनों का धर्म अलग था. अब सबा पटौदी ने बताया है कि उनकी में ने शादी के दौरान इस्लाम कबूल कर लिया था. उन्होंने ये भी कहा कि मां ने ही उन्हें इस्लाम के बारे में बताया और सिखाया. हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें लगता है कि उनके पिता मुसलमान नहीं थे. सबा ने सैफ अली खान और सोहा अली खान किस धर्म को मानते हैं, इस बारे में भी बात की.

सबा पटौदी ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं बहुत धार्मिक हूं. पर मैं धर्म से ज्यादा आध्यात्मिक हूं. पर आध्यात्मिक होकर ही मैं इस्लाम से जुड़ी हूं. तो ये दोनों एक ही हैं. इसलिए मैं कह सकती हूं कि मेरा धर्म इस्लाम है और मैं इससे जुड़ी हुई हूं. मैं आध्यात्मिक हूं, क्योंकि अगर मैं गॉड के बारे में सोचती हूं तो मैं हो सकता है कि मैं अल्लाह कहूं. पर इसका मतलब ये नहीं कि मैं दूसरे धर्मों की इज्जत नहीं करती. मुझे लगता है कि बौद्ध धर्म भी ऐसा ही है. सभी धर्म ऐसे ही हैं. ईश्वर तो एक ही है. मैं इसमें भी यकीन करती हूं. आप उसे अल्लाह कह सकते हैं, राम कह सकते हैं, जो आपको सही लगे. मैं उसे अल्लाह कहती हूं. पर एक ही एनर्जी सोर्स है, जिससे हम सब जुड़े हुए हैं. तो ये बिल्कुल भी अलग नहीं है.

सबा मां ने सिखाया इस्लाम

सबा ने बताया, जब अम्मा और अब्बा की शादी हुई तो मेरी मां ने इस्लाम कबूल किया था. उन्होंने हमें भी इस्लाम सिखाया. इसलिए ताकि हम उलझन में न पड़ें और हमारी कोई मज़बूत बुनियाद हो. इसलिए न तो कोई मंदिर था और न ही हम हिंदू धर्म का पालन करते थे. उन्होंने मुझे मेरी आस्था के बारे में बताया और इस्लाम की समझ भी दी. रमजान और ऐसी अन्य चीज़ों के बारे में बताया. और फिर ये तो हमारी च्वाइस है, कि हम क्या फॉलो करना चाहते हैं. और मुझे लगता है कि हम तीनों (सैफ अली खान, सोहा और सबा) में से मैं सबसे ज्यादा अपनी आस्था से जुड़ी हुई हूं. इसलिए मैं इसका पालन करती हूं. इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि मेरे पिता या मां ने हम तीनों पर धर्म थोपा है. क्योंकि हमने बहुत सफर किया है. वो भी यहां (इंग्लैंड) पढ़ें हैं. उन्होंने ससेक्स के लिए खेला है. वो इंग्लैंड में रहते थे. इसलिए मुझे नहीं लगता कि वो मुसलमान थे. हां, वो पटौदी के नवाब थे, मुझे लगता है कि उन्होंने यही किया, वो अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते थे.

मैं गुटखे का प्रचार नहीं करूंगा...सनी देओल के दावे के बाद वायरल हुआ VIDEO

इंटरनेट के दौर में कुछ भी छिपा नहीं रह सकता. सोशल मीडिया के आने से पहले के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं. ऐसा ही कुछ हुआ है सनी देओल के साथ. हाल ही में शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को एक पान मसाला ऐड के लिए नोटिस मिला. इस बीच एक पॉडकास्ट में सनी देओल ने दावा कर दिया कि वो पान मसाले का ऐड नहीं करते हैं. सनी देओल ने इधर जैसे ही ये दावा किया, सोशल मीडिया यूजर्स ने उनका सालों पुराना एक विज्ञापन शेयर करना शुरू कर दिया. इस विज्ञापन में सनी देओल मीठा पान का प्रचार करते दिखाई दे रहे हैं.

एक्स (पहले ट्विटर) पर कई यूजर्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सनी देओल संतूर मीठा पान और संतूर सादा पान का विज्ञापन करते दिखाई दे रहे हैं. इस सालों पुराने विज्ञापन में सनी देओल के साथ साथ रवि किशन और विजय राज जैसे अभिनेता भी दिखाई दे रहे हैं.

विज्ञापन के वायरल वीडियो में क्या है?

जो विज्ञापन का वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें सनी देओल दो लड़कियों के साथ एक पान के स्टॉल पर आते हैं. स्टॉल रवि किशन का है और विजय राज भी वहां खड़े दिखाई देते हैं. सनी देओल स्टॉल पर आकर रवि किशन से संतूर मीठा पान मांगते हैं. फिर वो मीठा पान खाने के बाद कहते हैं इन्हें (लड़कियों) भी एक एक दे दो. फिर रवि किशन कहते हैं खाओगी तो जानोगी, यही असली मीठा पान है बहनजी. विज्ञापन के आखिर में पांचों लोग संतूर सादा पान मसाला के बारे में बताते हैं.

सनी देओल ने क्या दावा किया?

सनी देओल ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में पान मसाला के ऐड नहीं करने पर अपनी बात रखी. वो कहते हैं, वो सब मैं नहीं करता और मैं करूंगा भी नहीं. मैं गुटखा जैसी चीजों का प्रचार नहीं करूंगा. मुझे ऑफर्स आते हैं, लेकिन मैं नहीं करूंगा.' सनी आगे कहते हैं, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिसपर मुझे विश्वास नहीं हो. मैं इन सब चीज़ों में मानता नहीं हूं. मुझे नहीं लगता कि इनका प्रचार करना अच्छी बात है. इसलिए मैं नहीं करता. कितनी चीजें नहीं करता क्योंकि मेरा जमीर नहीं मानता इसलिए, और जो करनी होती हैं वो कर लेता हूं.

सनी देओल ने साफ कहा कि वो पैसे के लिए कुछ भी नहीं कर सकते हैं. वो कहते हैं, अगर मैं पैसे के लिए कुछ करने की कोशिश भी करूं, तो मेरा दिल उसे पीछे धकेल देता है. मैं ये क्यों कर रहा हूं? मैं ये किसके लिए कर रहा हूं? क्या मैं ये सिर्फ पैसे के लिए करना चाहता हूं? जब अंदर से ऐसे सवाल उठते हैं, तो मैं एक कदम पीछे रख लेता हूं.

35 साल की अभिनेत्री

अनन्या राज

का निधन, परिवार ने एक महीने बाद किया खुलासा, कहा- नींद में ही चल बसीं

अभिनेत्री और सोशल मीडिया स्टार अनन्या राज का 35 साल की उम्र में निधन हो गया है. ये जानकारी उनके परिवार ने उनके ही इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब एक महीने बाद दी है. परिवार के मुताबिक अनन्या का निधन 15 जुलाई को हुआ था. परिवार का कहना है कि वो बीते एक साल से बीमार थीं. अनन्या ने '7 आवर्स टू गो', 'द फाइनल एग्जिट' और घोस्ट जैसे प्रोजेक्ट में काम किया था. इंस्टाग्राम पर उन्हें करीब पौने 3 लाख लोग फॉलो करते थे.अनन्या के निधन के एक महीने बाद मौत की जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम पर फैमिली ने एक नोट शेयर किया. नोट में लिखा गया है, हम अनन्या के परिवारवाले हैं. बड़े दुख के साथ हमें ये बताना पड़ रहा है कि 15 जुलाई की तड़के अनन्या का निधन हो गया. वो नींद में ही शांति से गुज़र गईं. एक साल से ज्यादा समय से वो दिमागी और शारीरिक तौर पर अस्वस्थ थीं. अपनी बीमारी से उबरने के लिए उन्होंने किसी वॉरियर की तरह लड़ाई लड़ी.

फैमिली ने प्राइवेसी देने की अपील की

बयान में आगे कहा गया, वो एक मजबूत इरादों वाली लड़की थी और उसने हमेशा शान किसी क्वीन की तरह जिंदगी जी. बच्चा, तुम्हारी कमी बहुत महसूस होगी. हम आप सभी से गुजारिश करते हैं कि उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ करें. इस मुश्किल वक्त में हम चाहते हैं कि हमें थोड़ी निजता और शांति दी जाए.

पोस्ट में बयान के साथ साथ परिवार की ओर से अन्या के अंतिम संस्कार की भी एक तस्वीर शेयर की गई है. साथ ही एक तस्वीर ऐसी भी है, जिसमें अनन्या की तस्वीर को रखकर श्रद्धांजलि दी जा रही है. अनन्या का जन्म 1991 में हुई थी और 15 जुलाई 2026 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया.

बॉलीवुड के साथ साथ साउथ में भी किया काम

अनन्या राज ने हिंदी के अलावा रीजनल सिनेमा में भी काम किया था. वो मुंबई में ही पली बढ़ीं और फिल्मों के अलावा म्यूजिक वीडियो में भी काम किया करती थीं. उन्होंने 2016 में आई '7 आवर्स टू गो' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था.